इंदौर, मंडला, जबलपुर, कटनी, भोपाल, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

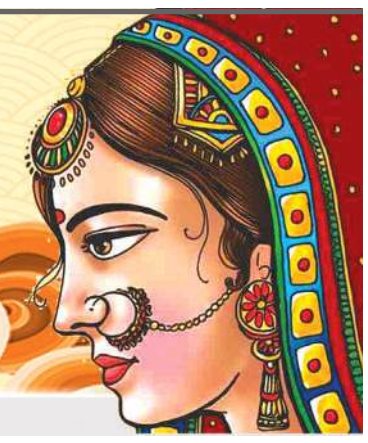
रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-1 अंक-169 ● इंदौर ● शनिवार, 7 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 13 ● विक्रम संवत् 2083



बेंगलुरू में खौफनाक सामूहिक हत्याकांड

कैब ड्राइवर ने पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों को सिलबट्टे से मार डाला



बेंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है। यहां 45 वर्षीय कैब ड्राइवर शेखर उर्फ इंदुशेखर पर अपनी पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर वैवाहिक विवाद और पत्नी के मायके पक्ष की दखलंदाजी से नाराज होकर इस खौफनाक वारदात की साजिश रची। आरोप है कि उसने दो दिनों के भीतर राजाजीनगर स्थित अपने घर में एक-एक कर सात लोगों को बुलाया और सिलबट्टे के पत्थर से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद कुछ शवों को अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, इस सामूहिक हत्याकांड में आरोपी की पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, परिवार की बहुएं दिव्या और नलिनी तथा सात वर्षीय पुनीत की मौत हुई है। एक मासूम बच्चे की भी हत्या किए जाने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पुनीत का शव चिक्कबल्लापुर जिले में नंदी हिल्स के पास बरामद किया गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने वारदात के बाद सबूत मिटाने और शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश की। जांच में सामने आया है कि शेखर और सुनीता की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, सुनीता के परिवार के लोग हस्तक्षेप करते थे और उसका पक्ष लेते थे। पुलिस को संदेह है कि शेखर इसी बात को लेकर नाराज था और उसे लगता था कि पत्नी के मायके वाले उसकी पारिवारिक जिंदगी में दखल दे रहे हैं। इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। हालांकि, हत्याओं के पीछे की वास्तविक वजह और साजिश की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

कुदरत का कहर, मौसम की मार

ओडिशा में भूस्खलन से 7 की मौत, 6 लापता यूपी के 20 शहरों में घना कोहरा, 5 ट्रेनें रद्द



नई दिल्ली। यशभारत। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। कहीं चक्रवात के बाद भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित है, तो कहीं कोहरे और गिरते तापमान ने सर्दी का अहसास बढ़ा दिया है। ओडिशा के गंजाम जिले में चक्रवात अर्नब के बाद हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के 20 शहरों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। तमिलनाडु के 10 जिलों में बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है।*

ओडिशा के गंजाम जिले के पहाड़ी गांव में गुरुवार को भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। इससे पहले दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी थी। हादसे में अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है, जबकि छह लोग लापता बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग 28 अक्टूबर को आए चक्रवात अर्नब के बाद पहाड़ी क्षेत्र में हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। लगातार मलबा हटाने और लापता लोगों की तलाश का काम जारी है।

उत्तर प्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड का असर बढ़ने लगा है। शुक्रवार सुबह राजधानी लखनऊ के अलावा बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती, संभल समेत करीब 20 शहरों में कोहरे की चादर छाई रही। श्रावस्ती में दृश्यता घटकर 10 मीटर से भी कम रह गई, जबकि कई अन्य इलाकों में भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के चलते रेल परिचालन पर भी असर पड़ा है। मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द करने का फैसला लिया गया है। राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। हरदोई में रात सबसे ठंडी रही। तमिलनाडु में इसके उलट बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई समेत 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक 6 नवंबर की रात एक बजे तक इन जिलों के कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। तिरुवरूर में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई। कई इलाकों में सड़कों पर करीब एक फीट तक पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। मध्य प्रदेश में भी रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में न्यूनतम तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। कई स्थानों पर पारा 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। भोपाल और इंदौर में रात की ठंड बढ़ने लगी है। मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार से तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

झारखंड में बेकाबू ट्रेलर का तांडव

9 लोगों को रौंदा, 7 की मौत



खूंटी, एजेंसी। *झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई, जबकि दूसरे परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।*

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्रा की कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसा था। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ लोग झाड़ियों में फंसे युवक को निकालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी उर्फ जवंती, बेटी अंजली कुमारी और एक साल के नाती की मौत हो गई। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल खूंटी में इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरे परिवार के राजेश की मां कर्मी लोहराइन, पत्नी फगन संगा और बेटियां सुभानी व सोनी कुमारी की भी हादसे में जान चली गई। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी के लिए गुजरात गए थे। उन्हें हादसे की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर चालक और खलासी की तलाश की जा रही है।

मुंबई हाईकोर्ट को फिर उड़ाने की धमकी, अमिताभ के बंगले जलसा का भी जिक्र

मुंबई,यशभारत। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बार फिर बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को धमकी भरा ईमेल भेजा गया, जिसमें अदालत परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि ईमेल में बॉम्बे हाईकोर्ट के अलावा बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले जलसा का भी उल्लेख किया गया है। धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई और संबंधित स्थानों पर जांच शुरू कर दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में मुंबई के कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। इनमें बॉम्बे हाईकोर्ट, बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और



अमिताभ बच्चन का बंगला जलसा शामिल हैं। ईमेल सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने संभावित खतरे को देखते हुए जांच की, लेकिन शुरुआती तलाशी में किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री के मिलने की सूचना नहीं है। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए ईमेल के स्रोत और तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि धमकी के पीछे किसी व्यक्ति की शरारत है या इसके पीछे कोई गंभीर साजिश है।गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा का नाम धमकी में आने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को मिले धमकी भरे ईमेल में भी अमिताभ बच्चन के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम स्थल महालक्ष्मी रेसकोर्स का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा 2 नवंबर को महाराष्ट्र के ठाणे, पुणे, हिंगोली, बीड और नांदेड़ सहित कई जिलों के न्यायालय परिसरों को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। तलाशी के दौरान वहां भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी।

कर्मभूमि एक्सप्रेस की बोगियों में लगी आग, पैंट्री से शुरू हुई लपटें, यात्रियों में अफरा-तफरी



पटियाला,यशभारत। पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना पंजाब के पटियाला जिले में राजपुरा स्टेशन के पास हुई। आग ट्रेन की पैंट्री से शुरू होकर कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई। धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल और संबंधित टीमों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कर्मभूमि एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर राजपुरा स्टेशन पहुंची थी। इसी दौरान ट्रेन में आग लगने की घटना सामने आई। बताया गया कि आग सबसे पहले पैंट्री कार में लगी और देखते ही देखते इसकी लपटें आसपास की बोगियों तक पहुंच गईं। आग और धुएं को देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने तत्काल बाहर निकलना शुरू कर दिया। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में ट्रेन के आसपास धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। पटियाला के उपायुक्त हिमांशु अग्रवाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आग पैंट्री कार से शुरू हुई थी और कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई।

9 नवंबर को प्रदेशभर में मनेगी गोवर्धन पूजा, 3 हजार गोशालाओं को मिलेंगे 60 करोड़ रुपय

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में 9 नवंबर को प्रदेशव्यापी गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गोशालाओं में गोवर्धन पूजन के साथ गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही पशुपालकों का सम्मान कर गोसेवा और गोवंश संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री गोशालाओं में संरक्षित निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि जारी करेंगे।

अब घंटों का सफर होगा आसान, एमपी में बिछेगा 1,398 कि.मी. का एक्सप्रेस-वे जाल



5 नए कॉरिडोर से इन 10 शहरों को मिलेगा फायदा

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार 63,296 करोड़ रुपये की लागत से 1,398 किलोमीटर लंबे पांच नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित करने जा रही है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच आवागमन तेज और सुगम होगा। भोपाल से मंदसौर, भोपाल से ग्वालियर, सागर से सतना, जबलपुर से आशापुर और कटनी से सिंगरौली तक बनने वाले ये कॉरिडोर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ेंगे। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और प्रस्तावित कॉरिडोर की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं और सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर को बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है।

चार लेन के होंगे सभी पांच कॉरिडोर

बैठक में इन पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित सभी मार्ग चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर होंगे। इनमें पेव्ड शोल्डर की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे तेज रफ्तार यातायात के साथ सड़क सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में भोपाल-मंदसौर कॉरिडोर की लंबाई 258 किलोमीटर, सागर-सतना की 227 किलोमीटर, जबलपुर-आशापुर की 358 किलोमीटर, भोपाल-ग्वालियर की 320 किलोमीटर और कटनी-सिंगरौली कॉरिडोर की लंबाई 235 किलोमीटर प्रस्तावित है। इस तरह कुल 1,398 किलोमीटर का नया सड़क नेटवर्क तैयार होगा।

धनतेरस पर सोने की चमक फीकी

22 फीसदी टूटे दाम चांदी में भी 56 प्रतिशत की गिरावट



नई दिल्ली,यशभारत। धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर सर्राफा बाजार में खास उत्साह रहता है। भारतीय परिवारों में इस दिन कीमती धातुओं की खरीदारी को समृद्धि और मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। हालांकि धनतेरस 2026 पर बाजार की तस्वीर कुछ अलग है। पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज कराने वाले सोने और चांदी की कीमतों में इस साल बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2026 में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचने के बाद सोना 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह चांदी भी अपने जनवरी के उच्चतम स्तर से 56 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ गई है। कीमतों में आई इस गिरावट ने उन खरीदारों और निवेशकों को राहत दी है, जो ऊंचे दामों के कारण अब तक खरीदारी से दूरी बनाए हुए थे।धनतेरस 2021 से धनतेरस 2026 के बीच सोने की कीमतों में करीब 192 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तेज उछाल के बाद आई गिरावट ने बाजार में निवेश की रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सवाल यह है कि मौजूदा कीमतों पर सोना खरीदना कितना फायदेमंद है और निवेश के लिए आभूषण, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में से कौन-सा विकल्प बेहतर साबित हो सकता है।धनतेरस के कारोबारी दिन सुबह बाजार खुलने के साथ ही कीमती धातुओं में नरमी का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,820 रुपये यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। वहीं चांदी की कीमत में 2,680 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 1,84,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

ओबीसी क्रीमी लेयरः माता-पिता की सैलरी अकेला आधार नहींः सुको



नई दिल्ली, एजेंसी। ओबीसी आरक्षण के तहत क्रीमी लेयर तय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी अभ्यर्थी को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण से बाहर करने के लिए उसके माता-पिता की केवल वेतन या आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। क्रीमी लेयर निर्धारित करते समय माता-पिता की सामाजिक स्थिति, उनके पद और पद की प्रकृति को भी ध्यान में रखना जरूरी है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की संशोधन याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले का सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, जिनके माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों और निजी संस्थानों में कार्यरत हैं।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से पीएसयू और निजी क्षेत्र की नौकरियों के पदों की सरकारी पदों के समकक्ष स्थिति निर्धारित करने तथा नई व्यवस्था लागू करने के लिए दो साल का अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि, अदालत ने सरकार की इस मांग को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने फैसले का अनुपालन करने के लिए केवल आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला सिविल सेवा परीक्षा में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर का लाभ पाने वाले कुछ अभ्यर्थियों से जुड़ा है। इन अभ्यर्थियों के माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों और इसी तरह के संस्थानों में कार्यरत थे। सरकार ने उनके माता-पिता के वेतन को आय में शामिल करते हुए उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में मान लिया था, जिसके कारण उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। इसके बाद अभ्यर्थियों ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में याचिका दायर कर नॉन-क्रीमी लेयर के आधार पर नियुक्ति देने की मांग की थी। अधिकरण ने उनके पक्ष में आदेश जारी किया था।विवाद की जड़ केंद्र सरकार का वर्ष 1993 का कार्यालय ज्ञापन है, जिसमें ओबीसी क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसमें वेतन और कृषि आय को आय सीमा की गणना में शामिल नहीं करने का प्रावधान था। हालांकि, 14 अक्टूबर 2004 को जारी स्पष्टीकरण में पीएसयू और निजी क्षेत्र में कार्यरत माता-पिता के वेतन और आय को भी गणना में शामिल करने की बात कही गई।

तीन पड़ोसी देशों के छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए भारत में अब वीजा अनिवार्य, पहले मिली थी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी नियमों में बदलाव किया है। अब इन देशों से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने के लिए उचित श्रेणी का वीजा लेना अनिवार्य होगा। पहले इन्हें पासपोर्ट और वीजा की शर्तों से छूट दी गई थी।केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए थे। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके पास भारत आने के समय वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे या जिनके दस्तावेज बाद में समाप्त हो गए। सितंबर 2025



में जारी आदेश के तहत इन छह समुदायों को पासपोर्ट और वीजा संबंधी शर्तों से राहत दी गई थी। नए आदेश के बाद भारत में उनके प्रवास के लिए निर्धारित श्रेणी का वीजा जरूरी होगा।

सीएए के अनुरूप किए गए नियम

गृह मंत्रालय ने नए बदलावों के जरिए आव्रजन नियमों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), 2019 के प्रावधानों के अनुरूप बनाने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच आवाजाही के नियमों को भी सख्त किया है। अब भारत से नेपाल या भूटान जाने वाले और वहां से भारत आने वाले नागरिकों को सरकार के निर्धारित वीजा मैनुअल के अनुसार मान्य पहचान दस्तावेज दिखाने होंगे।नए प्रावधानों के तहत यदि कोई भारतीय नागरिक नेपाल या भूटान के रास्ते किसी तीसरे देश की यात्रा करता है, तो उसके पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा। उसे निर्धारित आव्रजन चेकपॉइंट से ही आवागमन करना होगा। इसी तरह नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी यदि वे भारत, नेपाल और भूटान के अलावा किसी अन्य देश की यात्रा कर रहे हैं अथवा चीन, पाकिस्तान, हांगकांग या मकाऊ के रास्ते भारत आ रहे हैं, तो वैध पासपोर्ट और वीजा प्रस्तुत करना होगा।

शेयर बाजार में जोरदार उछाल, सेंसेक्स 81 हजार के पार निवेशकों की संपत्ति 30 लाख करोड़ बढ़ी



मुंबई, यशभारत। दीपावली से पहले धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 1,718 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई और यह 81 हजार के स्तर को पार कर गया। वहीं निफ्टी भी करीब 494 अंकों की बढ़त के साथ 25 हजार के ऊपर पहुंच गया।

बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों के चेहरे खिल उठे।कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,718.01 अंक यानी 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,028.02 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 493.75 अंक यानी 2.01 प्रतिशत चढ़कर 25,030.35 अंक पर पहुंच गया। खास बात यह रही कि बाजार में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर करीब 503 लाख करोड़ रुपये हो गया। 28 अक्टूबर को यह लगभग 473 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह कुछ ही कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

नियमितीकरण और वेतन वृद्धि को लेकर नगर निगम कर्मचारी आर-पार के मूड में

दिवाली से पहले हड़ताल से शहर की व्यवस्थाएं चरमराने की आशंका





भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल में दीपावली और धनतेरस के ठीक पहले नगर निगम कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा है। नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों और अन्य लंबित मांगों को लेकर बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों और जलकार्य शाखा के कर्मियों ने नगर निगम मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मुख्यालय में तालाबंदी कर कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, फायर ब्रिगेड और सीवेज जैसी जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और उग्र करते हुए पानी की सप्लाई भी ठप कर देंगे।

कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, जिससे उनमें भारी नाराजगी है।

सफाई व्यवस्था पर असर, बाजारों और मोहल्लों में लगे कचरे के ढेर

कर्मचारियों की इस अचानक हड़ताल का सबसे पहला असर शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। घरों से कचरे का उठाव पूरी तरह बंद होने के कारण प्रमुख बाजारों, सड़कों और गली-मोहल्लों में कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। त्योहारी सीजन के इस समय में बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच गंदगी और कचरे के अंबार से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों दोनों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर, जिला प्रशासन और निगम के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। त्योहारी सीजन में आम जनता को पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित न होना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बातचीत के दौर जारी हैं, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या त्योहार से पहले कोई बीच का रास्ता निकल पाता है या संकट और गहराएगा।

बीएचईएल में विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन

भोपाल यश भारत। बीएचईएल भोपाल में 2 से 31 अक्टूबर तक आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन हुआ। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित इस अभियान में टाउनशिप की स्वच्छता सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में टाउनशिप उद्यानिकी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान संचालित किया। इसके तहत पिपलानी स्थित करीब 4.5 एकड़ में फैले गांधी उद्यान के मुख्य द्वार से फव्वारा क्षेत्र तक लगभग 80 हजार वर्गफीट में सफाई और सौंदर्यीकरण किया गया। संपदा भवन स्थित टाउनशिप कार्यालय से एसबीआई एचईटी शाखा तक भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। साथ ही जैविक खाद और जीवामृत के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। कार्यों का जियो टैग्ड तस्वीरों से दस्तावेजीकरण भी किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से स्वच्छ एवं हरित टाउनशिप की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।



बच्चों ने इको-फ्रेंडली और सात्विक दीपावली मनाने का संकल्प लिया

हिरदाराम नगर।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने इको-फ्रेंडली और सात्त्विक दीपावली पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों को पर्व का वास्तविक महत्व बताया गया और पटाखों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन, रंगोली और दीया सजावट जैसी रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा चौथी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका और नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिसके माध्यम से प्रदूषणमुक्त और सुरक्षित त्योहार मनाने का संदेश दिया गया। बच्चों ने मिट्टी के दीप जलाने, ऊर्जा बचाने, पौधों की देखभाल करने और जरूरतमंदों के साथ खुशियाँ बाँटने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राधानाचार्या रेखा केवलानी और उप-प्रधानाचार्या दिव्या कृपलानी ने बच्चों से पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने का आह्वान किया।

हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट



हिरदाराम नगर।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट का आयोजन किया गया। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट क्लब द्वारा आयोजित छात्राओं ने विभिन्न पारंपरिक स्टॉल लगाए। हाट बाजार में दीए, सजावटी सामान, हस्तशिल्प और विविध व्यंजनों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन से छात्राओं को सोशल मीडिया प्रमोशन, ब्रांडिंग और व्यावसायिक विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने का व्यावहारिक अनुभव मिला। पारंपरिक सजावट से सजे इस जीवंत मेले में छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर और ग्रुप एडवाइजर पी.एस. राठौर ने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

एम्स भोपाल में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम

भोजन की बर्बादी रोकने की शपथ, मिलेट्स और स्थानीय खाद्य पदार्थों की लगाई प्रदर्शनी

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के आहार विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह 2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों, उनके परिजनों और आम नागरिकों को संतुलित पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा भोजन की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान डीन (एकेडमिक्स) ने उपस्थित लोगों को शून्य खाद्य अपव्यय की शपथ दिलाई। सभी ने भोजन का सम्मान करने और जरूरत के अनुसार ही भोजन लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मिलेट्स (श्रीअन्न) और स्थानीय खाद्य पदार्थों पर आधारित पोषण प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से इनके पोषण संबंधी गुणों और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।



आयोजकों ने बताया कि संतुलित आहार अपनाने के साथ खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना सतत जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के जरिए स्वस्थ खानपान और जिम्मेदार उपभोग का संदेश दिया गया।

सिख जिन तकनीक और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सिस्टम पर हुई चर्चा, डॉ. गिरिबाबू को मिला आमंत्रित वक्ता पुरस्कार

मेनिट के तीन फैकल्टी सदस्यों ने किया सिंगापुर यूनिवर्सिटी का दौरा



भोपाल,यश भारत। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के तीन फैकल्टी सदस्यों ने उन्नत तकनीकों और शोध सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. गिरिबाबू द्यनामिन तथा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. सुमित एच. धवाने और डॉ. भरत मोधेरा शामिल रहे। दौरे के दौरान इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग तथा केमिकल एंड बायोमोलेक्यूलर इंजीनियरिंग विभागों की शोध गतिविधियों को समझा। एन यू के प्रो. अक्षय राठौर के साथ सिलिकॉन कार्बाइड गैलियम नाइट्राइड तकनीक और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सिस्टम में इनके उपयोग पर चर्चा हुई। इसमें व्हीकल टू ग्रिड और ग्रिड टू व्हीकल तकनीक प्रमुख रही। प्रतिनिधिमंडल ने 4 से 7 नवंबर तक आयोजित जीसीडीईएमअंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया। यहां डॉ. गिरिबाबू द्यनामिन को आमंत्रित वक्ता पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने किसानों के लिए हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा आधारित जल पंपिंग प्रणाली पर व्याख्यान दिया। इस दौरे से अंतरराष्ट्रीय शोध और शैक्षणिक सहयोग के नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

बजरंग सेना ने जरूरतमंद बच्चों को दीपावली की सामग्री भेंट की



हिरदाराम नगर

संत नगर में दीपावली पर बजरंग सेना समिति द्वारा स्वामी शांतिप्रकाश स्कूल के बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों और शिक्षिकाओं को पर्व की बधाई दी गई। वरिष्ठ समाजसेवी शंकरलाल आसूदानी व पंडित राज कुमार गर्ग ने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। समिति अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि 06 नवंबर को धनतेरस पर आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को मिठाई और शिक्षिकाओं को उपहार हैम्पर भेंट किए जाएंगे। इस अवसर पर रूप कुमार सोनी, महेश खटवानी, गुरदास रामचंदानी, रमेश कुमार तोलानी, एडवोकेट बृजकिशोर सेन सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूनिकोड फॉन्ट से डिजिटल कार्यों में आएगी एकरूपता

निशातपुरा कारखाने में हिंदी कार्यशाला आयोजित, 51 रेलकर्मी हुए शामिल

भोपाल यश भारत।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा में 4 नवंबर को कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित मानक फॉन्ट के प्रयोग को लेकर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण और कार्य प्रबंधक (यांत्रिक) आशीष झारिया की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में 51 रेलकर्मियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता राजभाषा विभाग, जबलपुर के सहायक निदेशक घनश्याम प्रसाद नामदेव ने पीपीटी के माध्यम से यूनिकोड की उपयोगिता और उसके व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी दी। इस दौरान आशीष झारिया ने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली में हिंदी को अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। यूनिकोड फॉन्ट से कार्यालयीन कार्यों में एकरूपता आएगी और डिजिटल दस्तावेजों का आदान-प्रदान आसान होगा। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।



रेलवे प्रशासन ने जारी की चेतावनी, ट्रैक और विद्युत लाइन के आसपास जाने पर प्रतिबंध

पगारा-रूठियाई रेलखंड पर 25 हजार वोल्ट की बिजली लाइन चालू

भोपाल,यश भारत।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में बीना-रूठियाई रेलखंड के पगारा से रूठियाई तक 25 हजार वोल्ट की ओवरहेड विद्युत लाइन 5 नवंबर 2026 से चालू कर दी गई है। इस लाइन में 50 हर्ट्ज एसी विद्युत प्रवाहित होगी। रेलवे प्रशासन ने इसे लेकर आम नागरिकों और क्षेत्रवासियों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। रेलवे के अनुसार पगारा से रूठियाई के बीच ओवरहेड विद्युत लाइन को हर समय ऊर्जीकृत यानी चालू माना जाए। इसमें अत्यधिक उच्च वोल्टेज होने के कारण संपर्क में आने या नजदीक जाने से जानलेवा हादसा हो सकता है।



प्रशासन ने रेल यात्रियों आमजन और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि विद्युत लाइन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। लाइन के नीचे किसी प्रकार का कार्य न करें और रेलवे ट्रैक व परिसर में अनधिकृत प्रवेश से बचें।

नवयुवक सभा शिक्षण संस्थाओं ने मनाया दीपोत्सव, उपहार भेंट किए



हिरदाराम नगर।

नव युवक सभा द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली का पर्व मनाया गया। सभा अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने सभी को दीपावली की बधाई देते हुए इसे शरद ऋतु के आगमन और स्वच्छता का प्रतीक बताया। सचिव सुरेश राजपाल ने समाज में ज्ञान की ज्योति फैलाने का संदेश दिया, जबकि कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश मोटवानी ने विद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। उपाध्यक्ष महेश दयारामानी ने मन की नकारात्मकता दूर कर सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करने का आह्वान किया। महासचिव एवं एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राचार्या ज्योति चौहान, प्राचार्य हरीओम शर्मा सहित सभा के तमाम पदाधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण

32.54 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

भोपाल,यश भारत।



उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गुरुवार को सतना प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल भवन तैयार होने से पहले आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और फर्नीचर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार भी मौजूद रहे। पीआईयू की एसडीओ मंदाकिनी गुप्ता ने बताया कि 32.54 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरीय वार्ड, 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक और इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में चौथे तल की छत का कार्य जारी है। परियोजना मई 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

हबीबगंज पॉलीक्लीनिक में स्वास्थ्य शिविर, 45 पेंशनभोगियों के बने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

भोपाल यश भारत।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5.0 के तहत गुरुवार को हबीबगंज स्थित पॉलीक्लीनिक में विशेष स्वास्थ्य एवं डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 55 पेंशनभोगियों एवं अन्य व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जबकि कल्याण निरीक्षकों ने 45 पेंशनभोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक बनाए।



कार्यक्रम में सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित रहे। पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने भी आयोजन में सहयोग दिया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई के कर्मचारियों ने पेंशनभोगियों को डिजिटल और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। साथ ही साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। भोपाल मंडल में यह अभियान 1 से 30 नवंबर तक चलाया जा रहा है। इसके तहत पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाने, स्वास्थ्य परीक्षण कराने और साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी की सुविधा दी जा रही है। रेल प्रशासन का उद्देश्य पेंशनभोगियों को घर के नजदीक सुविधाएं उपलब्ध कराकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया सरल बनाना है।

शब्द मंदिर मासिक पत्रिका का हुआ विमोचन

भोपाल, यश भारत। हिंदी भवन स्थित लघुकथा शोध केंद्र समिति के सभागार में मासिक पत्रिका शब्द मंदिर का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विकास दवे ने की। मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी तथा सारस्वत अतिथि पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा उपस्थित रहे। सबनानी ने कहा कि साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं दीप स्तंभ की तरह समाज को दिशा देती हैं। नई पत्रिका का प्रकाशन साहित्य और संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. विकास दवे ने कहा कि संपादक का कार्य चुनौतीपूर्ण होता है। रचनाओं के चयन में संपादक को निष्पक्ष और निर्मम होना चाहिए। रघुनंदन शर्मा ने पत्रिका को साहित्य संस्कृति और राष्ट्रप्रेम की प्रतिनिधि बनाने की अपेक्षा जताई। कांता रॉय ने पत्रिका की भूमिका पर विचार रखे।

बीडीडी चाल पुनर्विकास को मिली रफ्तार

557 परिवारों को मिला 500 वर्गफुट के घरों का तोहफा, दिसंबर 2029 तक पूरा होगा पुनर्वास प्रकल्प

मुंबई, यशभारत। बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना को गति देते हुए सरकार ने धनतेरस के शुभ अवसर पर 557 परिवारों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपीं। नायगांव नहीं, बल्कि लोअर परेल के ना.म. जोशी मार्ग स्थित बीडीडी चाल परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में लाभार्थियों को 500 वर्गफुट के सुसज्जित घरों की चाबियां वितरित कीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी उपस्थित थीं।



एकनाथ शिंदे ने कहा कि बीडीडी चाल परियोजना वर्षों से लंबित थी, लेकिन अब इसका काम पूरी गति से चल रहा है। सरकार का पैर ब्रेक पर नहीं, बल्कि एक्सीलेटर पर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दिसंबर 2029 तक पूरे पुनर्विकास प्रकल्प के तहत घरों का वितरण पूरा कर दिया जाएगा।

शिंदे ने बताया कि पुलिसकर्मियों के घरों की कीमत पहले 50 लाख रुपए तय थी, जिसे रहवासियों की मांग पर घटाकर 15 लाख रुपए करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। पुनर्विकास के तहत उद्यान, खुले मैदान, क्लब हाउस और आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। विकासकों को निर्माण की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मुंबई और महानगर क्षेत्र में अगले 15 से 20 वर्षों में 20 से 25 लाख घर बनाने का लक्ष्य है। सरकार का उद्देश्य मुंबई को झुग्गीमुक्त बनाना और आम लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

'अम्मा जरा पता बताना' कहकर चेन ले उड़ा डिलीवरी बॉय

कांदिवली में लुटेरे ने बुजुर्ग महिला को बनाया निशाना, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

मुंबई, यशभारत। मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) में डिलीवरी बॉय बनकर आए एक लुटेरे ने पता पूछने के बहाने बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन छीन ली। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से हाउसिंग सोसायटी में हड़कंप मच गया। लूट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।



जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर को दूसरी मंजिल पर रहने वाली बुजुर्ग महिला अपने फ्लैट का दरवाजा खोल रही थीं। इसी दौरान डिलीवरी बॉय की पोशाक पहने एक युवक उनके पास पहुंचा और किसी पते के बारे में पूछने लगा। महिला ने पता देखकर उसे बताया कि वह गलत मंजिल पर आया है और तीसरी मंजिल पर जाने को कहा। इसी बीच आरोपी ने अचानक महिला पर झपट्टा मारा और उनके गले से सोने की चेन खींचकर फरार हो गया। महिला के शोर मचाने के बावजूद वह हाथ नहीं आया।

घटना के समय सोसायटी का सुरक्षा गार्ड भी अपनी जगह पर मौजूद नहीं था। कांदिवली पुलिस ने बीएनएस की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'सफाई कर्मचारी ही मुंबई के असली नायक' -एकनाथ शिंदे

140 सफाईकर्मियों को 300 वर्गफुट के घरों की सौगात अगले चरण में 500 से 550 मकानों का होगा वितरण

मुंबई, यशभारत। मुंबई को स्वच्छ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले सफाई कर्मचारियों के अपने घर का सपना साकार करने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार ने कदम बढ़ाया है। धनतेरस के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका की आश्रय योजना के दूसरे चरण के तहत 140 सफाई कर्मचारियों को उनके घरों की चाबियां सौंपीं।



इस अवसर पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि सफाई कर्मचारी ही मुंबई के असली नायक हैं। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा करने वाले और हर सुबह शहर की सड़कों को स्वच्छ रखने वाले इन कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन और पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि पहले सफाई कर्मचारियों को 150 वर्ग फुट के मकान दिए जाते थे, लेकिन अब 300 वर्ग फुट के बड़े घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आधुनिक पूर्वनिर्मित तकनीक से तैयार इन मकानों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। अगले चरण में लगभग 500 से 550 मकानों की चाबियां सौंपी जाएंगी।

शिंदे ने महानगरपालिका को सफाई कर्मचारियों के बच्चों के उच्च शिक्षा के लिए विशेष योजना बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि उनके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और वकील बनें, इसके लिए अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महापौर रितु तावड़े और महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

टीसीएस धर्मांतरण मामले में इम्तियाज जलील पर शिकंजा

निदा खान को पनाह देने के आरोप में केस दर्ज नासिक पुलिस की एसआईटी ने की कार्रवाई

मुंबई, यश भारत। नासिक की टीसीएस कंपनी में महिला कर्मचारियों के कथित यौन शोषण और धर्मांतरण के मामले में अब एमआईएम के नेता एवं पूर्व सांसद इम्तियाज जलील का नाम भी जुड़ गया है। नासिक पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को कथित तौर पर छिपने और रहने के लिए आश्रय देने के आरोप में जलील के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, इस संवेदनशील मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को पूछताछ और जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। आरोप है कि निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर में पनाह देने और रहने की व्यवस्था करने में इम्तियाज जलील ने मदद की थी। इन्हीं आरोपों के आधार पर पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले इसी मामले में एमआईएम के नगरसेवक मतीन पटेल के खिलाफ भी कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस ने जांच के दौरान कुछ रिकॉर्डिंग और आवाज के नमूने भी एकत्र किए हैं। अब इम्तियाज जलील को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मच गई है। हालांकि, जलील के खिलाफ लगे आरोप अभी जांच के दायरे में हैं और उनकी पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।





दिवाली पर घर लौट रहे पुलिस प्रशिक्षुओं की बस पलटी

सातारा में आधी रात को भीषण हादसा, तीन चालकों समेत 15 घायल

सातारा, यशभारत। दिवाली की छुट्टियां मनाने घर लौट रहे धुले पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं की निजी बस सातारा जिले के कराड तालुका स्थित मसूर के पास आधी रात को भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में तीन चालक और 12 पुलिस प्रशिक्षुओं सहित कुल 15 लोग घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।



जानकारी के अनुसार, धुले पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु दिवाली की छुट्टियां मनाने के लिए निजी बस से कोल्हापुर और पश्चिम महाराष्ट्र स्थित अपने गांवों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मसूर के पास अचानक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस चालक का वाहन से नियंत्रण छूटने या सड़क की स्थिति के कारण दुर्घटना होने की आशंका है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। मसूर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पवार-पटेल की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल

10 नवंबर के बाद फिर साथ बैठेंगे दोनों नेता, राकांपा के एक होने की अटकलें तेज



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के एक होने की चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। गुरुवार को राकांपा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों की चर्चा शुरू हो गई है। प्रफुल्ल पटेल ने शरद पवार की तबीयत का हाल जाना। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि पवार साहब की तबीयत अच्छी है। दोनों के बीच राज्य और देश की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी बातचीत हुई। पटेल ने कहा कि राजनीतिक रास्ते भले अलग हो गए हों, लेकिन दोनों परिवारों के व्यक्तिगत संबंध आज भी कायम हैं।

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार ने पटेल से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई राकांपा नेताओं की बैठक की जानकारी भी ली। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं ने 10 नवंबर के बाद फिर साथ बैठकर चर्चा करने का संकेत दिया है।

हालांकि, राकांपा की ओर से दोनों गुटों के विलय की किसी आधिकारिक योजना की पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और कांग्रेस विधायक विश्वजीत कदम ने भी अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की थी।

साहिल की मौत के बाद जागा आईआईटी बॉम्बे

नकल और सजा के नियमों की होगी समीक्षा, छात्रों से मांगी जा रही राय

मुंबई, यशभारत। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोड़े की आत्महत्या के बाद संस्थान ने परीक्षा में नकल और विद्यार्थियों को दी जाने वाली सजा के नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके तहत संस्थान ने स्नातक विद्यार्थियों के बीच सर्वेक्षण शुरू किया है। इसका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी किन परिस्थितियों में नकल करते हैं और इसके पीछे क्या कारण होते हैं।





स्नातक शैक्षणिक परिषद की ओर से जारी इस प्रश्नावली में लगभग 18 सवाल हैं। विद्यार्थियों से पूछा जा रहा है कि अच्छे अंक लाने का दबाव, नौकरी और प्रशिक्षण में अंकों का महत्व तथा परीक्षा में पकड़े जाने का डर उनके फैसलों को किस तरह प्रभावित करता है। साथ ही यह भी जानने की कोशिश की जा रही है कि क्या कड़ी सजा के डर से विद्यार्थी अपनी गलती स्वीकार करने या मदद मांगने से बचते हैं।

घटना के बाद निदेशक प्रो. शिरीष केदारे ने चार शिक्षकों और चार विद्यार्थियों की आठ सदस्यीय समिति बनाई है। समिति ने परीक्षा में अनुचित तरीकों के मामलों से निपटने की प्रक्रिया में बदलाव का सुझाव दिया है। सर्वेक्षण के जवाब गुप्त रखे जाएंगे और विद्यार्थियों के ई-मेल पते भी नहीं लिए जाएंगे।

12 फरवरी को एक होने वाले थे दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस

अजीत पवार की मध्यस्थता में बनी थी सहमति, सुनील तटकरे का बड़ा दावा



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने दावा किया है कि अजीत पवार की मध्यस्थता में दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टियों को एक करने पर सहमति बनी थी। इसके लिए 12 फरवरी की तारीख भी तय की गई थी। हालांकि, कुछ कारणों से यह समझौता अंतिम रूप नहीं ले सका और दोनों दलों का एकीकरण टल गया। तटकरे के इस खुलासे ने महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान से यह सवाल भी उठने लगा है कि जब दोनों गुटों के एक होने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी, तो आखिर किन परिस्थितियों में यह प्रक्रिया रुक गई? अजीत पवार की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि तटकरे के दावे पर शरद पवार गुट की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है और दोनों दलों के विलय को लेकर आगे क्या राजनीतिक रुख सामने आता है।

वन विभाग की लापरवाही से तेंदुए के तीन शावकों की मौत

फाइलों में दबी रिहाई की चिट्ठियां, पिंजरों में कैद रहे शावक

मुंबई, यशभारत। वन विभाग की कथित लापरवाही के चलते नागपुर के सेमिनरी हिल्स स्थित ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर में तीन तेंदुए के शावकों की मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि केंद्र की पशु चिकित्सक ने शावकों और उनकी मां को प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए तीन बार पत्र लिखकर अधिकारियों को आगाह किया था, लेकिन उनकी सिफारिशों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, जनवरी 2026 में एक गर्भवती मादा तेंदुए को बचाकर केंद्र में लाया गया था। मार्च में उसने तीन स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। चिकित्सकीय जांच में सभी को प्राकृतिक जंगल में छोड़ने योग्य पाया गया था। इसके बाद 3 अगस्त, 29 सितंबर और 13 अक्टूबर को रिहाई के संबंध में पत्र भेजे गए।

इसके बावजूद शावकों को पिंजरे में रखा गया। 1 सितंबर को एक शावक का सिर पिंजरे की सलाखों में फंसने से मौत हो गई। 29 सितंबर को दूसरे शावक की भी जान चली गई, जबकि तीसरा शावक 31 अक्टूबर को मां के पिंजरे के नीचे मृत मिला।

केंद्र के कर्मचारियों ने सीसीटीवी कैमरे बंद रहने की शिकायत भी की है। वहीं, वन अधिकारी प्रकाश भदाने का कहना है कि बचाए गए वन्यजीवों को छोड़ने का निर्णय वन विभाग की समिति लेती है। इस घटना ने वन विभाग की निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्हासनगर के 29 समूहों का होगा पुनर्विकास

शिंदे ने दिए सख्त निर्देश, 10 हजार घर भी बनेंगे

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में वर्षों से अटकी पुनर्विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने शिवशाही पुनर्वसन परियोजना को निर्देश दिया है कि झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) की लंबित परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेकर उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जाए। सह्याद्री अतिथिगृह में शिवशाही पुनर्वसन परियोजना के संचालक मंडल की 45वीं बैठक में शिंदे ने परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के छह समूहों और उल्हासनगर के 29 से अधिक समूहों के सामूहिक पुनर्विकास को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए सर्वेक्षण, नियोजन और सलाहकारों की नियुक्ति जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। शिंदे ने निजी विकासकों के पास बकाया 667 संक्रमणकालीन मकानों के किराये की वसूली भी प्राथमिकता से करने को कहा।

वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बदलापुर के जोवेली में 4,590 और कल्याण के माणिवली में 5,330, कुल 9,920 किफायती मकान बनाने की योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वास्तुकारों व विकासकों को शामिल करने के निर्देश दिए।

कुर्ला-ट्रॉम्बे के रेल पटरी किनारे बसे झोपड़ाधारकों का होगा पुनर्वास

शिंदे एसआरए को डीपीआर बनाने का निर्देश, रेल मंत्री से भी की बात

मुंबई, यशभारत। कुर्ला-ट्रॉम्बे क्षेत्र में वर्षों से रेलवे पटरी के किनारे रह रहे झोपड़ाधारकों के पुनर्वास का रास्ता निकालने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इस मामले में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी फोन पर बात कर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।



बैठक में खारदेव नगर स्थित मनपा कर्मचारियों की पत्रा चॉल के पुनर्विकास और कर्मचारियों की आवासीय संस्थाओं पर लगने वाले प्रीमियम के लिए नई नीति बनाने पर भी चर्चा हुई। सेवानिवृत्त मनपा कर्मचारियों की पेंशन और आर्थिक लाभ रोकने के मामले में शिंदे ने सहानुभूतिपूर्वक विचार कर प्राथमिकता से प्रस्ताव पेश करने को कहा।

इसके अलावा नेहरूनगर, तिलकनगर और सहकारनगर की सीवरेज समस्याओं, रेलवे प्रभावितों के पुनर्वास तथा चांदिवली में खतरनाक बस्तियों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने के मुद्दों पर भी अधिकारियों को स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए।

सिद्धिविनायक मंदिर को सरकार की बड़ी सौगात

94 करोड़ की इमारत खरीद पर 2.32 करोड़ की स्टांप ड्यूटी माफ

मुंबई, यशभारत। प्रभादेवी स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और सुविधाओं की जरूरत को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने मंदिर ट्रस्ट को बड़ी राहत दी है। मंदिर के पास स्थित राम मेंशन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की इमारत खरीदने के सौदे पर लगने वाली 2 करोड़ 32 लाख 38 हजार 700 रुपए की स्टांप ड्यूटी माफ करने का निर्णय मंत्रिमंडल ने लिया है।

मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से 708 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली यह इमारत खरीदी है। इसमें 13 फ्लैट और सात दुकानें हैं। इस संपत्ति की कुल खरीद के लिए 94 करोड़ 11 लाख 65 हजार 550 रुपए के सौदे को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

इस इमारत का उपयोग श्रद्धालुओं की कतारों के बेहतर प्रबंधन, महाप्रसाद गृह, रसोईघर, यात्री निवास और सीमित पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए किया जाएगा।



मंगलवार, संकष्टी चतुर्थी, अंगारकी चतुर्थी और गणेशोत्सव के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में नई सुविधाओं से दर्शन व्यवस्था अधिक सुचारु होगी और भक्तों को भोजन तथा ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्टांप ड्यूटी माफ करने का फैसला किया है।

मुंबई में अवैध निर्माणों का बोलबाला

मुंबई, यशभारत देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी अवैध निर्माणों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है। पिछले 10 वर्षों में शहर में करीब 30 हजार अवैध निर्माणों को तोड़ने योग्य पाया गया, लेकिन बीएमसी ने इनमें से केवल 13,211 मामलों में ही कार्रवाई की। सूचना के अधिकार (आरटीआई) से सामने आए इन आंकड़ों ने महानगरपालिका के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता शकील अहमद शेख को मिली जानकारी के अनुसार, 1 मार्च 2016 से 26 अक्टूबर 2026 के बीच अवैध निर्माणों को लेकर 2.10 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। दोहराई गई शिकायतों को हटाने के बाद 98,689 शिकायतें जांच के लिए बचीं। इनमें 29,916 मामलों में अवैध निर्माण पाए गए, जिन पर तोड़फोड़ की जरूरत थी।

कुर्ला के एल वार्ड में सबसे ज्यादा 30,935 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन कार्रवाई केवल 637 मामलों में हुई। वहीं, मानखुर्द-गोवंडी के एम-ईस्ट वार्ड में 14,510 शिकायतों के बावजूद सिर्फ 159 निर्माणों पर कार्रवाई की गई।

संपादकीय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दीपावली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और खुशियां बांटने का पर्व नहीं है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का जीवन-दर्शन है। उपनिषदों का कालजयी मंत्र 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, दीपावली की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। यह प्रकाश केवल घरों और रास्तों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के विचारों, विवेक, चेतना और कर्मों को भी प्रकाशित करने का संदेश देता है। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। कहीं आर्थिक और सामाजिक असमानता है तो कहीं गरीबी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव। आतंकवाद, युद्ध, हिंसा और आपसी वैमनस्य ने मानव जीवन की शांति को प्रभावित किया है। प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और नई-नई बीमारियां मानव सभ्यता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। विज्ञान और तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद यदि मनुष्य सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहा है तो हमें विकास की हमारी परिभाषा पर विचार करना होगा। दीपावली का वास्तविक प्रकाश तभी सार्थक होगा, जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी उसके उजाले का अनुभव कर सके। किसी घर में दीपों की कतार हो और उसी समाज में कोई व्यक्ति भूखा सोए, कोई इलाज के अभाव में दम तोड़े, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहे या कोई परिवार भय और असुरक्षा में जीवन बिताए तो हमारी उत्सवधर्मिता अधूरी रह जाती है। सच्ची दीपावली वह है, जिसमें संपन्न व्यक्ति जरूरतमंद का सहारा बने, सक्षम व्यक्ति वंचितों को अवसर दे और समाज का प्रत्येक वर्ग एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। इस शुभ पर्व पर आत्मावलोकन की भावना को भी समझना होगा। आत्मावलोकन हमें अपने भीतर झांकने, अपनी कमियों को सुधारने और व्यवहार का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। वहीं अनुसंधान हमें समस्याओं के मूल कारणों तक पहुंचकर समाधान खोजने की दिशा दिखाता है। हर प्रकार के संकट से निपटने के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक है। हमें अपने भीतर भी प्रकाश खोजना है और ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सतत शोध करते हुए बाहरी दुनिया के अज्ञानरूपी अंधकार को भी दूर करना है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसकी वास्तविक पहचान नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है। इसके लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्व शांति की स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास की कटु स्मृतियों और प्रतिशोध की भावना में उलझे रहने से भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। अतीत से सबक लेकर ऐसी दुनिया बनानी होगी, जहां संवाद को संघर्ष पर, सहयोग को वैमनस्य पर और मानवता को संकीर्ण स्वार्थों पर प्राथमिकता मिले। आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है। भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी वैश्विक चेतना का आधार है। पूरी पृथ्वी एक परिवार है तो उसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। किसी एक देश की पीड़ा से विश्व अछूता नहीं रह सकता। इसलिए शांति, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए राष्ट्रों को एक-दूसरे का सहयोगी बनना होगा। आइए, इस दीपावली पर हम केवल अपने घरों में दीप न जलाएं, अपने हृदय और समाज में भी प्रकाश फैलाएं। किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएं, किसी जरूरतमंद की सहायता करें, किसी बीमार को उपचार में सहयोग दें और किसी भटके हुए मन को सद्भाव का रास्ता दिखाएं। अपने भीतर ज्ञान की ज्योति और समाज में समरसता की मशाल प्रज्वलित करें। हमारी कामना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश मुंबई से महाराष्ट्र, भारत से लेकर संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। मानवता सुरक्षित रहे, हर व्यक्ति को उन्नति का समान अवसर मिले और धरती पर प्रेम, शांति तथा सह-अस्तित्व की ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और विश्व शांति के लिए हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कड़वे वचन



तू बात बात में मुहुर्त मुहुर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त मुहूर्त क्या होता है? जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त नहीं होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-7 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

(नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) पर विशेष)



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सदुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

नवजातों को मोबाइल की लत बहुत गलत?



नवजात को मोबाइल मत दीजिये, यह बहुत घातक है। मोबाइल की लत बहुत गलत है। आज का सबसे बड़ा तमाशा देखिए। बच्चा पैदा होते ही रोया भी नहीं कि उसकी फोटो खिंच गई। एक सेकंड में व्हाट्सएप पर, फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर। अस्पताल के बेड से ही स्टेटस लग गया - हमारे घर लक्ष्मी आई, हमारे घर गणेश आया। हमने सोचा हमने प्यार बांटा, पर हमने जन्म लेते ही नवजात को मोबाइल की घातक किरणों के सामने खड़ा कर दिया। जिस बच्चे को मां की गोद की गर्मी और मां का आंचल चाहिए था, उसे सबसे पहले कैमरे का फ्लैश और स्क्रीन की नीली रोशनी दे दी।

और यहीं से लत की शुरुआत हो जाती है। हम खुद ही उसके जीवन की पहली लत के सौदागर बन जाते हैं।

आज हर घर में यही है। 6 महीने का बच्चा गोद में है, हाथ में मोबाइल है। बच्चा रोया, मोबाइल। खाना नहीं खाया, मोबाइल। मां को रसोई का काम करना है, मोबाइल। पिता थक गए हैं, मोबाइल। हम समझते हैं बच्चा संभल गया, पर सच यह है कि हमने कच्ची मिट्टी जैसे बच्चे को घातक किरणों के हवाले कर दिया है। यह संभलना नहीं है, यह जड़ होना है।

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली घातक किरणें सीधे उसकी नाजुक आंखों पर वार करती हैं। उसकी आंखें अभी बन रही हैं, परदे बहुत कोमल हैं। यह तेज नीली रोशनी उसकी आंखों के परदे को जला रही है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। तभी तो आज 2-2 साल के बच्चों को मोटा चश्मा लग रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में बच्चों की लाइन लगी है। पहले बच्चे मोतियाबिंद बुढ़ापे में सुनते थे, आज बच्चे बचपन में ही आंखों की बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यही किरणें उसकी नींद छीन लेती हैं। मोबाइल की रोशनी दिमाग को दिन-रात का फर्क भूलवा देती है। मेलाटोनिन हार्मोन बनना बंद हो जाता है। बच्चा रात भर जागता है, दिन भर चिड़चिड़ा रहता है, रोता रहता है और मां-बाप समझ ही नहीं पाते कि बच्चा क्यों रो रहा है।

सबसे बड़ा घात उसके दिमाग और बोलने पर हो रहा है। जिस उम्र में उसे मां की लोरी, पिता की आवाज, दादी की कहानी, नानी की थाप सुननी चाहिए, उस उम्र में वह मोबाइल के तेज रंग और तेज शोर में कैद है। वह देखता नहीं, सम्मोहित होता है। कार्टून तेजी से भागते हैं, आवाजें चीखती हैं, उसका छोटा दिमाग उस रफ्तार को पकड़ नहीं पाता। इसीलिए वह चुप हो जाता है और हम मूर्खों की तरह खुश होते हैं कि देखो, हमारा बच्चा कितना समझदार है, बिना रोये मोबाइल देख रहा है। पर यह समझदारी नहीं, जड़ता है। यह शांत होना नहीं, सन्न होना है। इसका सीधा नतीजा है कि बच्चे देर से बोल रहे हैं। 3 साल का बच्चा है पर मां नहीं बोल पाता। लोगों से घुल-मिल नहीं रहे, आंख से आंख नहीं मिलाते, अकेले बैठे रहते हैं, छोटी बात पर जमीन पर लोट-लोट कर भड़क जाते हैं। बड़े-बड़े बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक साफ कह रहे हैं, छोटे बच्चों में ऑटिज्म, एडीएचडी और बोलने में देरी का एक बड़ा कारण यह मोबाइल ही है। हम अपने हाथों से अपने बच्चे को बीमार बना रहे हैं।

पहले बच्चा रोता था तो घर के दस हाथ उसे संभालने आते थे। दादी लोरी गाती थी, नानी कहानी सुनाती थी, बुआ गोद में लेती थी, पिता कंधे पर घुमाता था। चाचा उंगली पकड़ कर चलाता था। उससे रिश्ते बनते थे, संस्कार बनते थे, बच्चा सामाजिक बनता था। आज रोते ही एक ही हाथ आता है, मोबाइल वाला। न लोरी रही, न कहानी, न दादी का प्यार, न नानी का दुलार। बच्चा परिवार से नहीं, स्क्रीन से जुड़ गया। वह मां को नहीं पहचानता, मोबाइल को पहचानता है। यह कितनी बड़ी त्रासदी है।

और उसका खेलना-कूदना, भागना-दौड़ना तो खत्म ही हो गया। जो बच्चा मिट्टी में खेलता था, मिट्टी से ही उसका शरीर मजबूत होता था, इम्यूनिटी बनती थी। जो भागता था, गिरता था, उठता था, उससे उसकी हड्डियां मजबूत होती थीं। वही बच्चा अब एक कोने में बैठा, गर्दन झुकाए, आंखें गड़ाए मोबाइल घिस रहा है। न धूप लग रही है, न हवा। शरीर कमजोर, हड्डियां कमजोर, आंखें कमजोर और बचपन सबसे ज्यादा कमजोर। बचपन तो रहा ही नहीं।

हम कहते हैं, मिट्टी मत खा, बीमार हो जाएगा। धूल में मत जा, बीमार हो जाएगा। बाहर का मत खा, बीमार हो जाएगा। हम इतने सजग हैं। पर बच्चा रोज घंटों तक स्क्रीन का मानसिक जहर खा रहा है, उसका दिमाग सड़ रहा है, उससे नहीं डरते। यह कौन सी सजगता है?

सोशल मीडिया पर फोटो डालने की होड़ ने तो हद ही कर दी है। बच्चे का हर रोना, हर हंसना, हर नहाना, हर खाना हमने दुनिया को दिखा दिया। हमने कभी सोचा कि उस फोटो के साथ कितनी घातक किरणें, कितनी बुरी नजरें, कितना डेटा उस बच्चे से चिपक रहा है? वह बच्चा अभी इस दुनिया को समझा भी नहीं और हमने उसे पूरी दुनिया के सामने परोस दिया। उसकी सुरक्षा, उसकी मासूमियत, सब खतरे में डाल दी।

एक घंटे का सुकून पाने के लिए आप उसके जीवन भर की एकाग्रता, उसकी आंखें, उसकी जुबान और उसका बचपन दांव पर लगा रहे हैं। वह एक घंटा आपको आराम देगा, पर वह बच्चा जीवन भर आपको परेशान करेगा, क्योंकि आपने उसकी नींव ही कमजोर कर दी।

अभी संभलने का समय है, कहीं देर न हो जाये। ताउम्र पछताओगे, सिर पटकोगे जब बच्चे अपंग होंगे, आंखों की बीमारी होगी, दिमाग कमजोर होगा और बोलने में पिछड़ जाएंगे।

इसलिए हाथ जोड़कर कह रहा हूं - जन्म लेते ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डालना बंद कीजिए। उसकी नजर उतारने से पहले ही दुनिया की नजर में लाना बंद कीजिए। कम से कम पहले 5 साल तक तो उसे मोबाइल से दूर रखिए। उसे कहानी सुनाइए, लोरी सुनाइए, मिट्टी में खेलने दीजिए, पेड़ दिखाइए, चिड़िया दिखाइए। रोये तो गोद में लीजिए, मोबाइल मत दीजिए। और नवजात के हाथ में तो बिल्कुल मोबाइल मत दीजिए। यह खिलौना नहीं, बहुत घातक लत है।

(लेखक- नरेंद्र भारती)

बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान

ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा



युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो।भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अग्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अग्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है।

भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है।आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है।

भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है। भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध की आशंका को रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है कि सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद कुबेर और धनवंतरि की होगी आराधना

सजे बाजार, जगमगाए शोरूम , छह दिन तक चलेगा दीपोत्सव

जबलपुर,यश भारत।

इस बार दीपोत्सव पांच नहीं, बल्कि छह दिनों तक मनाया जाएगा। दो अमावस्या पड़ने के कारण पर्व की अवधि बढ़ गई है। शुक्रवार 6 नवंबर को धनतेरस के साथ दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। पर्व को लेकर शहर के बाजार सजकर तैयार हैं। सराफा बाजार से लेकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और वाहन शोरूम तक आकर्षक सजावट की गई है। धनतेरस पर शुभ खरीदारी के लिए बाजारों में दिनभर चहल-पहल रहने की उम्मीद है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान धनवंतरि, धन के देवता कुबेर और यमराज की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी





वजह से इस दिन नए बर्तन खरीदने की परंपरा चली आ रही है। लोग नए बर्तनों में पकवान रखकर भगवान धनवंतरि को भोग अर्पित करते हैं।

सोना-चांदी और बर्तनों की खरीदारी का विशेष महत्व

धनतेरस पर सोना, चांदी और बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन, कपड़े और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी भी की जाती है। पर्व को देखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों और शोरूमों को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है। दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और ऑफर भी रखे हैं। सराफा बाजार और कोतवाली क्षेत्र में विशेष रौनक देखने को मिल रही है।

घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाएगा यम दीप

धनतेरस पर अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना के साथ यमराज की पूजा का भी विधान है। धार्मिक परंपरा के अनुसार शाम को घर के मुख्य द्वार पर यमराज के नाम से दीपक जलाया जाता है। महिलाएं दीपक में चार बत्तियां जलाकर जल, रोली, चावल और गुड़ सहित अन्य पूजन सामग्री से पूजा करती हैं। मान्यता है कि इससे परिवार पर यमराज की कृपा बनी रहती है। धनतेरस के साथ शुरू होने वाला छह दिवसीय दीपोत्सव अब घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल लेकर आएगा। लक्ष्मी पूजन, दीपदान और खरीदारी के साथ अगले छह दिनों तक शहर रोशनी और उल्लास में डूबा रहेगा।

युवती के प्यार में बना हत्यारा, भाई के साथ मिलकर दो जिंदगियों को कार से कुचला



बेलखेड़ा दोहरी मौत मामले में प्रेम प्रसंग का खुलासा, नाबालिग अभिरक्षा में और भाई फरार

यश भारत फॉलोअप

जबलपुर,यश भारत। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर कार से कुचलकर युवक और युवती की मौत के मामले में पुलिस जांच में प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग जागृति महलोनिया से प्रेम करता था। इसी बीच जागृति की प्रशांत लोधी से बातचीत होने लगी, जिससे नाराज होकर नाबालिग ने अपने भाई अनिल सिंह के साथ मिलकर दोनों को कार से कुचलने की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया है, जबकि उसका भाई फरार है। पुलिस के अनुसार, ग्राम उड़ना निवासी 19 वर्षीय प्रशांत लोधी अपने दोस्त हेमराज के साथ मोटरसाइकिल से बेलखेड़ा पहुंचा था। शाम करीब चार बजे वह ग्राम गुबराकला निवासी जागृति महलोनिया के साथ सड़क किनारे खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कार ने दोनों को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जांच में पुलिस को पता चला कि जागृति से नाबालिग का प्रेम प्रसंग था और प्रशांत से उसकी बातचीत को लेकर वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने अपने भाई के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई। एडिशनल एसपी अनु बेनीवाल के अनुसार, पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है और फरार अनिल सिंह की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर, यश भारत। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और तिलवारा व गोहलपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 14.44 ग्राम स्मैक, 17 हजार 600 रुपये नकद, चार मोबाइल और तस्करी में इस्तेमाल की गई कार जब्त की गई है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर को तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने जबलपुर-नागपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम जोधपुर पड़ाव के पास वाहन चेकिंग के दौरान लाल रंग की ब्रेजा कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक कार मोड़कर भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। कार में राहुल साहू (31), निवासी गोहलपुर और विकास पटेल (30), निवासी कटंगी सवार थे। तलाशी में दोनों के पास से कुल 11 ग्राम स्मैक, 17 हजार 330 रुपये नकद और तीन मोबाइल मिले। पुलिस ने कार भी जब्त कर ली। वही गोहलपुर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने रद्दी चौकी के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे सज्जाद खान (27), निवासी गोटेगांव को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 3.44 ग्राम स्मैक, 270 रुपये और एक मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि वह मोनू चौधरी के साथ स्मैक बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था।

रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस बिक रहे थे पटाखे

जबलपुर, यश भारत। रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर गढ़ा, बेलबाग और लार्डगंज पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चार दुकानदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न प्रकार के पटाखे और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गढ़ा के काजी मोहल्ले में अब्दुल रहमान (36) बिना लाइसेंस पटाखे बेचते मिला। उसके पास से बम, लक्ष्मी बम, अनार, फुलझड़ी, चकरी और रॉकेट सहित विभिन्न प्रकार के पटाखे जब्त किए गए। वहीं अरिहंत बुक डिपो के पास आगम जैन (19) के कब्जे से दो पेटियों में रखे एक हजार पाइप बम बरामद किए गए। इसी तरह बेलबाग पुलिस ने गुरंदी बाजार स्थित छावड़ा अस्पताल तिराहे पर विनय सोनकर (36) की दुकान से माचिस बम के 20 पैकेट जब्त किए।

कार सवारों ने व्यापारी को टक्कर मारकर लूटा करीब 7 लाख के जेवरात ले उड़े

सिहोरा गौरहा गांव के पास वारदात

जबलपुर, यशभारत। सिहोरा के निकट गौरहा गांव के पास शुक्रवार सुबह कार सवार चार बदमाशों ने एक सोना-चांदी के व्यापारी को निशाना बनाते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने व्यापारी की गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर उसे सड़क पर गिरा दिया और उसके पास रखे करीब 6 से 7 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरगी मोहला निवासी सोना-चांदी के व्यापारी विकास सोनी शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जेवरात लेकर गौरहा गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से कार में सवार होकर आए चार लोगों ने



उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विकास सोनी सड़क पर गिर पड़े। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, कार सवार बदमाश उनके पास मौजूद जेवरात लेकर मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश तेज रफ्तार से कार लेकर भागे। इस दौरान गौरहा गांव के पास उन्होंने एक गाय को भी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाय लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है। दिनदहाड़े व्यापारी को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात लूटे जाने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

बिना लाइसेंस वेंडिंग करने वालों पर आरपीएफ का शिकंजा



जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन परिसर में अनाधिकृत वेंडिंग पर अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में आरपीएफपोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में सतर्कता विभाग, वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफकी संयुक्त टीम ने विशेष जांच अभियान चलाकर बिना वैध प्रमाण पत्र के खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुओं की बिक्री करने वाले वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की। रेलवे स्टेशन पर चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 21 ऐसे व्यक्तियों को पकड़ा गया, जो आवश्यक वैध प्रमाण पत्र के बिना अनाधिकृत रूप से वेंडिंग करते पाए गए। संयुक्त टीम ने सभी के विरुद्ध जन विश्वास अधिनियम एवं रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए 42 हजार रुपए की रसीद काटी।

अनाधिकृत वेंडिंग पर रहेगी नजर- रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसर में बिना अनुमति वेंडिंग से यात्रियों को असुविधा होने के साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं। इसे देखते हुए आरपीएफ ने वाणिज्य एवं सतर्कता विभाग के साथ समन्वय बनाकर अभियान चलाया। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से अनाधिकृत रूप से कारोबार करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही।

कलेक्टर ने की स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा

75 से 80 प्रतिशत पंजीयन वाले गांवों में विशेष कैंप लगाने के निर्देश



जबलपुर, यशभारत। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्पलाइन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना में शत-प्रतिशत पंजीयन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों का चयन किया जाए, जहां 75 से 80 प्रतिशत तक पंजीयन पूरा हो चुका है। इन गांवों में विशेष कैंप लगाकर शेष पंजीयन भी पूरा कराया जाए। उन्होंने एसडीएम को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने तथा पटवारी सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शिकायतों का कराएं वास्तविक निराकरण- कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल फोर्स क्लोज न करें, बल्कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का वास्तविक समाधान कराएं। उन्होंने कहा कि नीतिगत कारणों से जिन शिकायतों का निराकरण संभव नहीं है, उन्हीं मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत बंद कराए जाने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व को लेकर एसपी को ज्ञापन

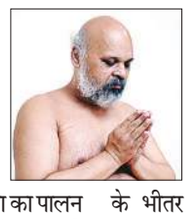
जबलपुर यश भारत। उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ ने छठ महापर्व पर सुरक्षा, सफाई व चेंजिंग रूम व्यवस्था हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा । इस मौके पर अध्यक्ष कन्दर्प शर्मा, विजय मिश्रा, राकेश रंजन और अनिल गुप्ता आदि प्रतिनिधि मंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ के उपलक्ष्य में संस्कारधानी जबलपुर के विभिन्न घाटों एवं तालाबों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और कहा कि संस्कारधानी में बहुतायत संख्या में उत्तर भारतीय परिवार



निवास करते हैं और आगामी 13 नवम्बर से शुरू होने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व पर गौरीघाट, तिलवाराघाट, माढ़ोताल, हनुमानताल, संजीवनी नगर, देवताल, गुलौआताल, अधारताल, गोकलपुर, रांझी सहित शहर के प्रमुख जलस्रोतों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।अतः सभी प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और समुचित प्रकाश (लाइटिंग) की व्यवस्था के लिए आग्रह किया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि यथा संभव सभी सुविधाओं और व्यवस्थाएं की जायेगी।

जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाला आगे चलकर स्वयं भगवान बन सकता है : मुनि निष्कंप सागर

जबलपुर। यशभारत। शिवनगर जैन मंदिर में मुनि श्री निष्कंप सागर जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में मिलने वाला सुख, समृद्धि, निरोगी काया, दीर्घायु और उच्च कुल में जन्म लेना सब पुण्य का प्रतिफल है। इसी प्रकार साध्वी का जीवन, उच्च कुल में जन्म लेकर पति की आज्ञा का पालन करने वाली स्त्री तथा पिता की आज्ञा से रंचमात्र भी विचलित नहीं होने वाला पुत्र भी पुण्य के फलस्वरूप प्राप्त होते हैं।मुनि श्री ने कहा कि घर से मंदिर भले ही दूर हो, लेकिन वहां जाना है। रास्ते में सांसारिक वासनाओं का जंगल मिले, तब भी उसे पार करना है। यही सच्चे जैन धर्मावलंबी की पहचान है। उन्होंने कहा कि भगवान कौन बनेगा? जो जिन प्रतिमा का निर्माण करवाएगा, वह भी एक दिन भगवान बनने की दिशा में अग्रसर होगा। सम्यक्त्व की प्राप्ति होने पर मनुष्य आज नहीं तो कल भगवान



अवश्य बन सकता है। उन्होंने प्रेरक उदाहरण देते हुए कहा कि आराधक से आराध्य और पूजक से पूज्य बनने की क्षमता प्रत्येक मनुष्य में है। जिस प्रकार बीज के भीतर केवल बीज ही नहीं, बल्कि विशाल वृक्ष बनने की संभावना भी छिपी होती है, उसी प्रकार मनुष्य के भीतर केवल मनुष्य ही नहीं, भगवान बनने की संभावना भी विद्यमान है। पूर्व में तीर्थंकर भी हम जैसे ही सामान्य मनुष्य थे, लेकिन उन्होंने संसार का त्याग और तप-साधना करके परम पद प्राप्त किया।मुनि श्री ने कहा कि जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाले श्रद्धालु युगों-युगों तक स्मरण किए जाते हैं। प्रतिमा निर्माण केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और पुण्य संचय का ऐसा माध्यम है, जिसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म, त्याग, संयम और जिन आराधना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

भोपाल के बाजारों में धनतेरस की बहार: एक हजार करोड़ से अधिक के कारोबार की उम्मीद

भोपाल, यशभारत। राजधानी में आज शुक्रवार को मनाए जा रहे धनतेरस के पावन पर्व पर बाजारों में बंपर कारोबार की उम्मीद है। सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी सामान और आतिशबाजी के बाजारों में सुबह से ही ग्राहकों की भारी चहल-पहल देखने को मिल रही है। कारोबारी अनुमानों के मुताबिक, इस बार भोपाल में धनतेरस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है, जो शहर की अर्थव्यवस्था को एक नई रफ्तार देगा।

सराफा बाजार में ?150 करोड़ पार का अनुमान, हल्के वजन की ज्वेलरी और सिक्कों की मांग-त्योहार पर सबसे अधिक रौनक सराफा बाजार में है। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भी ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। श्री सराफा एसोसिएशन चौक के सचिव अखिलेश मित्तल के अनुसार, इस दिवाली सीजन में भोपाल का सोना-चांदी कारोबार 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है, जो पिछले साल करीब 100 से 125 करोड़ रुपये के बीच रहा था। ग्राहक पहले से ही अपनी पसंद के गहनों की एडवांस बुकिंग करा रहे हैं। वहीं, कारोबारी राजेश अग्रवाल बताते हैं कि



कीमतों में बदलाव के चलते इस बार भारी गहनों के बजाय एक, दो और तीन ग्राम की लाइटवेट ज्वेलरी तथा चांदी के सिक्कों की जबरदस्त मांग बनी हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज पर विशेष ऑफर-परंपरागत खरीदारी के साथ-साथ इस बार इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी बूम देखने को मिल रहा है। एमपी नगर और शहर के प्रमुख शोरूम्स में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव और स्मार्टफोन्स की खरीदारी के लिए मध्यमवर्गीय परिवारों की भीड़ जुटी है। कंपनियों और शोरूम संचालकों द्वारा दी जा रही आकर्षक छूट, आसान किस्तों और एक्सचेंज ऑफर्स ने ग्राहकों के लिए खरीदारी को और सुगम बना दिया है।

धनतेरस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुआ विधिवत पूजन-अर्चन

भोपाल, यश भारत।

धनतेरस के पावन पर्व पर राजधानी भोपाल स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत पूजन अर्चन किया गया। धार्मिक उल्लास और उत्सवी माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। पूजा अर्चना के दौरान प्रदेश की सुख-समृद्धि खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तथा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने विधि-विधान से पूजाक्षअर्चना कर प्रदेश की उन्नति और नागरिकों के जीवन में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक



शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को भी दीपावली की बधाई देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। धनतेरस के अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में उत्सव और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां बांटीं। पारंपरिक धार्मिक आयोजन के साथ कार्यालय परिसर में दीपावली का उत्साह नजर आया।

इस प्रकार शुरुआत में कैंसर का पता चलेगा



नई दिल्ली, एजेंसी।कैंसर एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जिसका इलाज बेहद ही मुश्किल और दर्दनाक है। कई तरह के कैंसर ऐसे भी होते हैं, जिनका कोई इलाज ही नहीं है। इसीलिए शुरुआत में ही लक्षणों को पहचानकर अगर हम डॉक्टर के पास जायें तो कैंसर की रोकथाम की जा सकती है। इसके लिए आपको थोड़ा सतर्क और जागरुक रहना पड़ेगा। अगर आपको कोई भी दिक्कत बार-बार होती है, तो इसे हल्के से नहीं लेते हुए अपने डॉक्टर से ज़रूर संपर्क करें। ये हैं कैंसर की शुरुआत भी हो सकती है। अगर आपको अक्सर सांस लेने में दिक्कत होती है और सांस लेते वक्त आवाज़ भी सुनाई देती है, तो यह फेफड़े के कैंसर की शुरुआत के संकेत हो सकते हैं।

सीने में दर्द और लंबी खांसी

कैंसर के कई मरीज़ बाजू और सीने में दर्द की शिकायत करते हैं। ये ट्यूमर और रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) का संकेत हो सकता है।

बार-बार संक्रमण और बुखार

ल्यूकेमिया के शुरुआती दिनों में मरीज़ को बार-बार इंफेक्शन और बुखार होता है। ऐसा इसीलिए, क्योंकि शरीर में सफेद रक्त कणों की गिनती सामान्य नहीं रहती। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति भी प्रभावित होती है ऐसे में बुखार और संक्रमण बार -बार होने लगता है। गले का कैंसर होने पर मरीज़ को खाना निगलने में दिक्कत होती है। बांहों के नीचे या गर्दन पर सूजन लिम्फ नोड्स बीन्स की शेप में ग्लैंड्स होते हैं। कैंसर के शुरू होने पर यह सूज सकते हैं और अंडरआर्म के नीचे या गर्दन पर देखे जा सकते हैं।

चोट लगना और खून निकलना

ल्यूकेमिया के कारण लाल रक्त कण और प्लेटलेट्स में बदलाव हो सकता है, जिससे रक्त स्राव (ब्लीडिंग) का भी खतरा बढ़ जाता है।

हमेशा थकान रहना

जब शरीर ज़रूरत से ज़्यादा काम करता है, तब तो थकान होती ही है, पर थकान का हमेशा रहना भी कैंसर का संकेत हो सकता है।

पेट के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पेट के निचले हिस्से में दर्द रहता है और पेट फूला-फूला भी रहता है। यह ओवेरियन कैंसर का संकेत हो सकता है।

पेट का फूलना और वज़न बढ़ना

अगर आपका पेट अक्सर फूला रहता है और आप बिना किसी वजह के फूलते जा रहे हो, तो यह भी ओवेरियन कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

पीठ के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पीठ के निचले हिस्से में अक्सर दर्द रहता है। यह ब्रेस्ट ट्यूमर का भी लक्षण हो सकता है या लिवर कैंसर का भी। इसीलिए, अगर आपको अक्सर इस जगह दर्द रहती है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

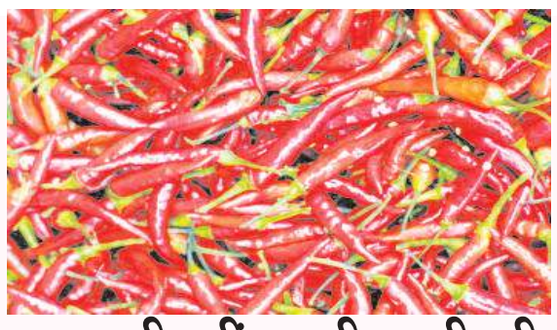
विटामिन बी3 से आंखों में ग्लॉकोम का खतरा होता है कम

नई दिल्ली, एजेंसी। पानी में विटामिन बी3 डालने से आंख की रोशनी कम होने की बीमारी (ग्लॉकोम) के खतरे को कम किया जा सकता है। इससे आंखें स्वस्थ रहती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इलाज के लिए आंखों में बार-बार ड्रॉप्स डालना महंगा पड़ता है। वहीं, पानी में विटामिन बी3 डालकर पीना सुरक्षित और सस्ता तरीका है। बुजुर्गों के लिए हर रोज़ आंखों में दवाई डालना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में यह उपचार उनके लिए आसान है। पूरी दुनिया में करीब 80 मिलियन लोग ग्लॉकोम से पीड़ित हैं और आईड्राप्स पर निर्भर रहते हैं। यह बीमारी आंखों में एक्सट्रा प्रेशर के कारण होती है, क्योंकि इसमें नर्व्स डैमेज हो जाती हैं। फैमिली हिस्ट्री या डायबिटीज़ के कारण, ग्लॉकोम होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसका ट्रीटमेंट आईड्रॉप्स हैं, जो सभी को सूट नहीं करते, और आंखों में जलन भी पैदा करते हैं। गंभीर मामलों में मरीज़ की सर्जरी या लेज़र थेरेपी करनी पड़ती है।



ग्लॉकोम के लक्षण

आंख में दर्द, उल्टी, आंख का लाल होना आदि। अचानक से आंख की रोशनी कम होना भी इस बीमारी का संकेत है। वैसे तो इस बीमारी को ठीक करना मुश्किल है, लेकिन कुछ तरीके अपनाने से ऐसा ज़रूर हो सकता है कि आंखों की रोशनी ज़्यादा कम न हो। इसके लिए पहले तो इस बीमारी को पहले स्टेज में ही पकड़ लेना ज़रूरी है, क्योंकि इसमें रोशनी कम होने की प्रक्रिया बेहद धीमी रहती है। आंखों में दबाव को कम करने के प्राकृतिक तरीके। अपनी जीवनशैली में कुछ ऐसे बदलाव करके जिनसे की आपका ब्लड प्रेशर कम हो, आंखों के दबाव को भी कम करता है। इस उपचार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। जैसे आपका इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, यह आपके रक्तचाप का कारण बनता है, और इससे आपकी आंखों पर दबाव भी बढ़ता है। समय के साथ आपका शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी बन जाता है। यह उन लोगों को ज़्यादा होता है, जो डायबिटीज़, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज़ हैं। इसका समाधान यह है कि आपको अपनी डाइट में चीनी और अनाज कम करना होगा। अगर आपको ग्लॉकोम है या इसके बारे में चिंतित हैं, तो आप ये सब खाने से बचें ब्रेड, पास्ता, चावल, अनाज और आलू। नियमित रूप से व्यायाम करें- इंसुलिन के स्तर को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है व्यायाम, जैसे- एरोबिक्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग। इससे इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और आंखों की रोशनी भी बचाई जा सकती है। ओमेगा -3 फैट सप्लीमेंट- इसे लेने से भी इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। डीएचए नामक ओमेगा -3 फैट आंखों के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। यह आंखों की रोशनी नहीं जाने देता। डीएएच सहित ओमेगा -3 फैट, मछली में पाए जाते हैं, लेकिन विशेषज्ञ मछली न खाने की राय देते हैं। उनके मुताबिक इस फैटी एसिड का सबसे अच्छा स्रोत है क्रिल ऑयल। हरी सब्जियां खाएं- ल्यूटिन और ज़ेक्थिन से आंखों की रोशनी बढ़ती है। ल्यूटिन हरी, पत्तेदार सब्जियों में विशेष रूप से बड़ी मात्रा में पाया जाता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट है और आंखों के सेल्स को खराब होने से बचाता है।



स्वाद ही नहीं बढ़ाती हर बीमारी में राहत भी दिलाती है लाल मिर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने में थोड़ा मसालेदार स्वाद लाने के लिए अक्सर लोग लाल मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि यह सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। यह मिर्च खासकर अपने तेज लाल रंग और तीखेपन की वजह से जाना जाता है, इसके साथ ही इसके अंदर छिपे गुण कई बीमारियों से सुरक्षा देने में मददगार होते हैं। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, लाल मिर्च विटामिन ए का बड़ा स्रोत है। यह विटामिन आंखों की रोशनी के लिए बेहद जरूरी होता है, साथ ही शरीर के कई अंगों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। अगर आप रोजाना सिर्फ एक छोटी चम्मच लाल मिर्च का पाउडर अपने खाने में डालते हैं, तो विटामिन ए की कमी आपके शरीर में कभी नहीं होगी। विटामिन ए के अलावा, इसमें विटामिन बी6, विटामिन के और विटामिन सी भी पाए जाते हैं। विटामिन के खून को साफ करने में मदद करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है, जबकि विटामिन सी हमारे शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और सर्दी-जुकाम से बचाता है। वैज्ञानिक शोध के मुताबिक, लाल मिर्च के अंदर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स हमारे शरीर की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाता है और कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। इससे कैंसर और दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है जिसे कैप्सैसिन कहा जाता है। यही कैप्सैसिन मिर्च को तीखा बनाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। कैप्सैसिन सूजन को कम करता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाता है और वजन कम करने में भी सहायक होता है।

मुंहासों को ठीक करने करें ये उपाय



नई दिल्ली, एजेंसी। किशोरावस्था में कदम रखते ही हार्मोन में आये बदलावों के कारण कई प्रकार की समस्याएं भी आती हैं। इन्हीं में से एक है चेहरे पर होने वाले मुंहासे (एक्ने) । एक्ने को आयुर्वेदिक उपचार से ठीक किया जा सकता है। दरअसल त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नम रखने के लिए एक तेल निकलता है। ये ग्रंथियां चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर बंद हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो आगे चलकर एक्ने का कारण बनते हैं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता होती है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका प्रभाव ज्यादा होता है। आइए हम आपको एक?ने के उपचार के लिए आयुर्वेद तरीकों के बारे में बताते हैं।

एक्ने की समस्या

कुछ लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से भी होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे जैसे बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और ज्यादा फैल सकता है। दरअसल टीनेज में हार्मोंस में लगातार बदलाव आते रहते हैं, नतीजन चेहरे पर दाग, धब्बे, मुंहासे और एक्ने की समस्या होने लगती हैं। एक्ने ऐसी समस्या है जो आमतौर पर टीनेज और युवावस्था में अधिक होती है। अगर आपके परिवार में पहले भी परिवार वालों को एक्ने रहे हैं यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससे बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। एक्ने त्वचा का एक विकार है। एक प्रकार से यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। गाय के ताजे दूध में चिरौंजी पीसकर इसका लेप बनाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इससे एक्ने की समस्या से निजात मिलेगी। चमेली के तेल को सुहागा में मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें। इससे चेहरे पर होने वाली जलन पर बहुत आराम मिलेगा। मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं। मुंहासों को दूर करने के लिए जायफल भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं।

15 दिसंबर से मोटर वाहन बीमा के नियमों में बदलाव, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा होगा अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए मोटर वाहन बीमा खरीदने के नियमों में बदलाव किया गया है। नए प्रावधानों के तहत वाहन मालिकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा लेना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। नए नियम 15 दिसंबर से लागू होंगे। इसके साथ ही बीमा कंपनियों को ग्राहकों को बीमा में मिलने वाली सुविधाओं और उनके लिए लिए जाने वाले शुल्क की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। नए नियमों के अनुसार, मोटर वाहन बीमा खरीदते समय कंपनियों को लिखित रूप में बताना होगा कि ग्राहक को किस तरह का सुरक्षा कवच दिया जा रहा है। बीमा में शामिल प्रत्येक सुविधा, उसकी शर्तों और उसके लिए निर्धारित शुल्क का अलग-अलग ब्योरा देना होगा। इससे ग्राहकों को यह समझने में आसानी होगी कि उनके वाहन और स्वयं के लिए कौन-कौन सी सुरक्षा उपलब्ध है। नियमों में तीसरे पक्ष का बीमा अनिवार्य रखा गया है। वहीं, वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने या चोरी होने की स्थिति में नुकसान की भरपाई के लिए लिया जाने वाला बीमा वैकल्पिक होगा। यानी ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार वाहन के नुकसान से जुड़ा बीमा ले सकता है या उसे छोड़ सकता है। कंपनियों को इन दोनों तरह के बीमा के बीच अंतर भी स्पष्ट करना होगा। दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति और कार में चालक के अलावा अन्य सवारों के दुर्घटना बीमा को वैकल्पिक रखा गया है। ग्राहक अपनी इच्छा के अनुसार यह अतिरिक्त सुरक्षा ले सकेंगे। बीमा कंपनियों को यह भी बताना होगा कि अलग-अलग यात्रियों के लिए दुर्घटना सुरक्षा लेने पर कितना अतिरिक्त शुल्क देना होगा। 15 दिसंबर से मोटर वाहन बीमा बेचने वाली कंपनियों को नए प्रारूप में पॉलिसी जारी करनी होगी। बीमा सुगम पोर्टल पर भी मोटर वाहन बीमा की जानकारी इसी प्रारूप में उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य ऑनलाइन बीमा खरीदने वाले ग्राहकों को भी पॉलिसी की शर्तों, सुविधाओं और शुल्क का पूरा विवरण उपलब्ध कराना है। मोटर बीमा से जुड़ी अन्य अतिरिक्त सुविधाओं को भी वैकल्पिक रखा गया है। यदि किसी वाहन मालिक ने पहले से तीसरे पक्ष का बीमा ले रखा है और वह बाद में कोई अतिरिक्त सुरक्षा जोड़ना चाहता है, तो उसे मौजूदा पॉलिसी रद्द कराने की जरूरत नहीं होगी। वह अतिरिक्त शुल्क देकर अपनी मौजूदा पॉलिसी में नई सुविधा शामिल करा सकेगा। उदाहरण के तौर पर, ग्राहक तीसरे पक्ष के बीमा के साथ दुर्घटना के बाद कानूनी सहायता जैसी अतिरिक्त सेवा का सुरक्षा कवच भी ले सकता है। इसके लिए निर्धारित अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इस व्यवस्था से ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बीमा में सुविधाएं जुड़वा सकेंगे। अब तक बीमा खरीदने के दौरान कई ग्राहकों को यह स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती थी कि उनकी पॉलिसी में कौन-कौन से जोखिम शामिल हैं।



अमेरिकी चुनाव के बाद युद्ध खत्म होने की उम्मीद, ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत के बाद ईरान के साथ जारी युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीद बढ़ गई है। इस घटनाक्रम का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई दिया। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 10 प्रतिशत गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कारोबार के दौरान इसकी कीमत 93.22 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो पिछले दो महीने का सबसे निचला स्तर है। अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया। निवेशकों को उम्मीद है कि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ सकता है। यदि दोनों देशों के बीच समझौता होता है, तो पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति में और सुधार होने की संभावना है। इससे वैश्विक बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है और आपूर्ति को लेकर बनी चिंता कम हो सकती है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के दौरान महंगाई और ईरान के साथ जारी युद्ध प्रमुख मुद्दे रहे।



अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए विदेश में जारी संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने युद्ध समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही है। इन बयानों से भी बाजार में युद्ध जल्द खत्म होने की उम्मीद मजबूत हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि फिलहाल पश्चिम एशिया में सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की उनकी कोई योजना नहीं है। निवेशक इन घटनाक्रमों को संकेत के रूप में देख रहे हैं कि ईरान के साथ संघर्ष उम्मीद से पहले समाप्त हो सकता है। जानकारों के अनुसार, अमेरिकी चुनाव के नतीजों और ईरान की आर्थिक स्थिति को देखते हुए दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है।

सीमेंट उद्योग में अल्ट्राटेक और अंबुजा का वर्चस्व बढ़ा, छोटी कंपनियों के सामने चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सीमेंट उद्योग में बाजार हिस्सेदारी को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आदित्य बिड़ला समूह की अल्ट्राटेक सीमेंट और अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। आक्रामक अधिग्रहण और उत्पादन क्षमता के विस्तार के चलते वित्त वर्ष 2026 तक दोनों कंपनियों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 51.2 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इससे उद्योग में प्रतिस्पर्धा का स्वरूप बदल रहा है और छोटी तथा स्वतंत्र कंपनियों के सामने चुनौतियां बढ़ रही हैं। वित्त वर्ष 2023 में अल्ट्राटेक और अंबुजा की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 44.8 प्रतिशत थी। तीन वर्षों में इसमें 6.4 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। उद्योग के कुल बाजार में दोनों



कंपनियों की बढ़ती पकड़ का प्रमुख कारण बड़े पैमाने पर अधिग्रहण और उत्पादन क्षमता में लगातार विस्तार माना जा रहा है। इस प्रक्रिया से सीमेंट उद्योग की वृद्धि का बड़ा हिस्सा इन कंपनियों के पास केंद्रित होता जा रहा है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने जुलाई 2024 में इंडिया सीमेंट्स और मार्च 2025 में केसोराम सीमेंट का अधिग्रहण किया। इन सौदों से कंपनी की बाजार में स्थिति और मजबूत हुई। वहीं, अदाणी समूह के नियंत्रण में आने के बाद अंबुजा सीमेंट ने भी विस्तार की रणनीति तेज की और कई कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया। अंबुजा सीमेंट ने सांघी इंडस्ट्रीज, पेन्ना सीमेंट, ओरिएंट सीमेंट और जेपी सीमेंट जैसी कंपनियों का अधिग्रहण किया है। मई 2023 में अदाणी समूह ने स्विट्जरलैंड की होल्सिम से अंबुजा सीमेंट और उसकी सहायक कंपनी एसीसी का अधिग्रहण किया था। इस सौदे को उद्योग में एकीकरण की प्रक्रिया का अहम मोड़ माना गया। इसके बाद अदाणी समूह ने सीमेंट कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर जोर दिया। सीमेंट उद्योग में शीर्ष दो कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होने की स्थिति इसे दूरसंचार, विमानन और इस्पात जैसे क्षेत्रों की श्रेणी में ला रही है।

विदेशी निवेशकों के लिए केवाईसी प्रक्रिया आसान, डिजिटल सत्यापन को सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत से बाहर रहने वाले पात्र विदेशी निवेशकों के लिए केवाईसी नियमों में ढील दी है। नए प्रावधानों के तहत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के मानकों का अनुपालन करने वाले देशों में रहने वाले निवेशक भारत में शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना डिजिटल माध्यम से अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य भारतीय वित्तीय बाजारों में विदेशी निवेश को बढ़ावा देना और निवेश की प्रक्रिया को सरल बनाना है। सेबी का संशोधित ढांचा तीन दिसंबर से लागू होगा। इससे अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों और अन्य विदेशी नागरिकों को भारतीय पूंजी बाजार में निवेश करने में सुविधा मिलेगी। नए नियमों के तहत बाजार मध्यस्थ पात्र ग्राहकों से डिजिटल माध्यम से केवाईसी संबंधी जानकारी और जरूरी दस्तावेज स्वीकार कर सकेंगे। हालांकि, एफएटीएफ के मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले देशों में रहने वाले निवेशकों के लिए केवाईसी की मौजूदा आवश्यकताएं पहले की



तरह लागू रहेंगी। सेबी ने स्पष्ट किया है कि नियमों में दी गई छूट सभी विदेशी निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले पात्र ग्राहकों के लिए होगी। संशोधित व्यवस्था में केवाईसी रिकॉर्ड के दोबारा इस्तेमाल की सुविधा भी दी गई है। इसके तहत निवेशक एक बाजार मध्यस्थ के पास उपलब्ध अपने केवाईसी रिकॉर्ड का उपयोग दूसरे मध्यस्थ के साथ लेनदेन के लिए कर सकेंगे। इसके लिए यह जरूरी नहीं होगा कि पहले से दर्ज सभी व्यक्तिगत जानकारियों का दोबारा सत्यापन कराया गया हो। सेबी ने बाजार मध्यस्थों को किसी अन्य सेबी-पंजीकृत मध्यस्थ या वित्तीय क्षेत्र के दूसरे नियामक के अधीन पंजीकृत संस्था की ओर से किए गए केवाईसी पर भरोसा करने की अनुमति भी दी है। इसके लिए केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों और केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री में उपलब्ध दस्तावेजों का उपयोग किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को हर संस्था के पास पूरी प्रक्रिया दोहराने की जरूरत कम होगी। नए प्रावधानों के तहत विदेशी निवेशकों को पासपोर्ट की प्रतियां और जहां लागू हो, वहां भारतीय मूल के विदेशी नागरिकता कार्ड की प्रतियां जमा करनी होंगी। पते के प्रमाण के रूप में विदेश में रहने का पता भी स्वीकार किया जाएगा। निवेशक केवाईसी फॉर्म डिजिटल या भौतिक, दोनों माध्यमों से जमा कर सकेंगे। नमूना हस्ताक्षर इलेक्ट्रॉनिक रूप से देने की सुविधा भी होगी, लेकिन वीडियो आधारित व्यक्तिगत सत्यापन के दौरान उनका मिलान करना अनिवार्य रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत वीडियो सत्यापन के समय अधिकृत अधिकारी की मौजूदगी जरूरी होगी। इस प्रक्रिया का समवर्ती ऑडिट भी कराया जाएगा, ताकि सत्यापन की विश्वसनीयता बनी रहे। सेबी ने कहा है कि ग्राहकों की उचित जांच-पड़ताल की अंतिम जिम्मेदारी संबंधित बाजार मध्यस्थों की ही होगी। निवेशक की जोखिम प्रोफाइल के आधार पर उन्हें अतिरिक्त सत्यापन उपाय भी करने होंगे।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल

कहीं 2027 एक दिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए



ऑकलैंड (ईएमएस)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ था। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है।

बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे





400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

मुम्बई (यशभारत)। एकदिवसीय रि केट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक रि केट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आर मक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। रि केट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों को भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब रि केट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और जोहान वान डर वाथ ने भी अंत में अहम योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक गेंद शेष रहते 438 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए आज भी एकदिवसीय इतिहास के सबसे यादगार और रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणम बदल सकता है।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तानी न करें : रायुडू

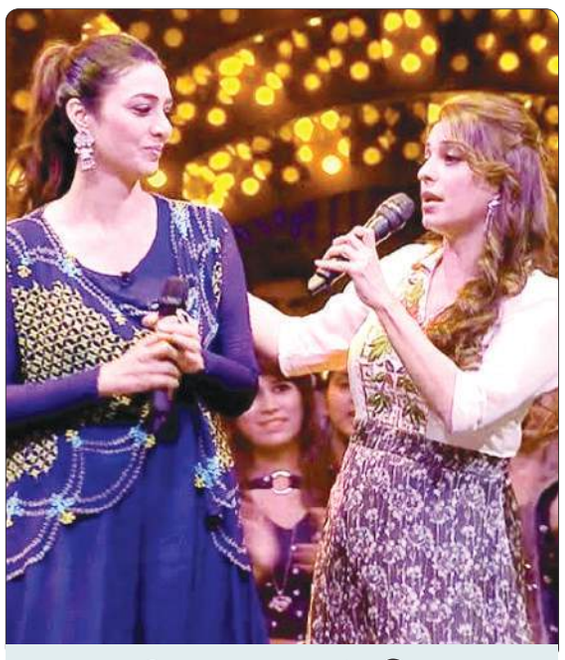


मुम्बई (यशभारत)। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे। रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप

नई दिल्ली (ईमएस)। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

रंग संसार



जूही चावला ने किया तब्बू की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी सहकर्मी और दोस्त तब्बू को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तब्बू की प्रशंसा करते हुए पूछा कि वे समय के साथ हर चीज में इतनी बेहतर कैसे होती जा रही हैं। यह टिप्पणी तब्बू की अभिनय क्षमता और उनकी कालातीत सुंदरता को रेखांकित करती है, जिस पर उनके सहकर्मी भी मोहित हैं। जूही ने तब्बू को गले लगाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तब्बू..!! कुछ लोग बूढ़े होते हैं, कुछ लोग विकसित होते हैंज और फिर आप हैं, जो चुपचाप हर चीज में बेहतर होती जा रही हैं और हमें बताने से इनकार करती हैं कि कैसे.. ढेर सारा प्यार..!! यह संदेश तब्बू की समय के साथ निखरती प्रतिभा और उनकी अद्वितीय उपस्थिति को दर्शाता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा में एक खास मुकाम दिलाती है। कम लोगों को पता होगा कि जूही और तब्बू ने 2001 की कॉमेडी फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया में साथ काम किया था। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा, गोविंदा, चंद्रचूड़ सिंह, जॉनी लीवर, ईशा कोप्पिकर, विनय आनंद और केतकी दवे जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल थे। के. राघवेंद्र राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म वी. शेखर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म विरालुक्केथा वीक्रम का रीमेक थी।

यह उस दौर की एक लोकप्रिय फिल्म थी, जिसमें दोनों अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। तब्बू के 55वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी अगली फिल्म किंग 100 के निर्माताओं ने ड्रामा से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है. जिससे उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। उनकी सह-कलाकार नागार्जुन अक्किनेनी ने भी तब्बू को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं देते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, प्रिय तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

400 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी *रानी चटर्जी*



मुम्बई (यशभारत)। मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने हाल ही में अपना 37वां जन्मदिन मनाया। करीब 400 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी रानी आज एक ऐसा नाम बन गई हैं जो भोजपुरी सिनेमा की पहचान है। लाखों दिलों पर राज करने वाली इस अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी नहीं, बल्कि सबीहा शेख है। सबीहा का जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी यहीं से पूरी की थी। वर्ष 2004 में सबीहा शेख ने फिल्म ससुरा बड़ा पइसावाला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जहाँ उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज तिवारी के साथ स्क्रीन साझा की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और मनोज तिवारी तथा सबीहा शेख की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। फिल्म में एक मंदिर का दृश्य फिल्माया जा रहा था, और कुछ धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्देशकों ने उन्हें अपना स्क्रीन नाम बदलने का सुझाव दिया। इसी पल सबीहा शेख, रानी चटर्जी बन गईं और यह नाम आज भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो चुका है। अपनी पहली फिल्म से मिली अपार सफलता और पहचान के बाद रानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने लगातार एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में काम किया, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में नागिन, देवरा बड़ा सतावेला, गंगा यमुना सरस्वती, रानी नंबर 786, दरिया दिल, रानी बनल ज्वाला, घरवाली बाहरवाली, रियल इंडियन मदर, रानी वेड्स राजा, लेडी सिंघम, दूल्हा नाचा गली गली, श्रीमान श्रीमती, शेरनी, परिणय सूत्र, हां मैंने भी प्यार किया था, और नौकरानी बनी महारानी जैसी फ़िल्में शामिल हैं.





मन तैयार पर शरीर कहता है थोड़ा ठहर जाओः अमिताभ बच्चन

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सेहत, नींद और फिटनेस को लेकर अपने ब्लॉग पर कुछ बहुत ही निजी और मार्मिक बातें साझा की हैं। महानायक ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह एक बार फिर से नियमित रूप से जिम जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनका शरीर पहले जैसी फुर्ती से साथ नहीं दे पा रहा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों उन्हें कभी-कभी रात में नींद आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अमिताभ ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यायाम करने के लिए उनका मन तो पूरी तरह से तैयार रहता है और हाँ कहता है, लेकिन उनका शरीर उन्हें थोड़ा आराम करने का इशारा देता है और रुक जाओ कहता है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में सुबह जल्दी उठने से लेकर अपने दैनिक लेखन के दौरान आने वाली परेशानियों तक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछली रात ब्लॉग पूरा न कर पाने की बात उनके मन में लगातार चलती रही, जिसके चलते वह सुबह जल्दी उठ गए और रात भर उनकी नींद बाधित रही। इसके साथ ही, उन्होंने ब्लॉग लिखते समय अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में आ रही तकनीकी परेशानी भी साझा की और पाठकों से मदद मांगी। उन्होंने लिखा, ब्लॉग लिखते समय अभी भी अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में परेशानी हो रही है। अगर किसी को इसका तरीका पता है तो मुझे समझाएं। मैंने गूगल पर भी देखा, लेकिन वहां दिए गए निर्देश समझ नहीं आए।

हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं : जिया शंकर

मुम्बई (यशभारत)। पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं।



अजब गजब है ,जिला प्रशासन, सिर्फ आनंद लो ओर सत्ता और पद के मजे लो

जिले में कैसे कैसे फटाखे फोड़ रहे हैं, जवाब दार विभाग

परेश मसीह

नर्मदापुरम (यश भारत) नर्मदापुरम शांत जिला हैं, कह कह कर उसे इतना शांत कर दिया, हैं शहर की जरूरतों पर ध्यान देने वाला ही कोई नहीं, अधिकारी आ रहे हैं जा रहे हैं कलेक्टर आये चले गए, एस पी आए चले गए, कमिश्नर आए चले गए, जब तक अधिकारी जिले की तासीर समझ पाते , बदल दिए गए, आज जिले में दर्जन भर से ज्यादा आला अधिकारी बैठे हैं, सत्ताधारी पार्टी के विधायक, सांसद ,नगरपालिका, नगर परिषद, जिला पंचायत, जनपद, सरपंच तमाम ऐसे पदों, राजनीतिक जनप्रतिनिधि एक ही पार्टी के बैठे है, पर जिले की जनता, खाद्य के लिए परेशान हैं, बीज के लिए पोर्टल के चक्कर काट रही हैं द्य



फुस्सी बम

अगर शहरी क्षेत्र की बात करे तो, जिला मुख्यालय... नहीं इसे संभागीय मुख्यालय कहे, तो बेहतर होगा, जहां मुख्य बाजार की सड़के नहीं सुधार पा रहे हैं, मजाक तो तब बनता हैं, जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी रोज निर्देशों का प्रेस नोट जारी करते हैं, कलेक्टर ने निर्देश दिए, कमिश्नर ने निर्देश दिए, दो कलेक्टर बदला गए एक ही विभाग को सड़क मरम्मत के निर्देश देते , और दो कमिश्नर बदला गए पर मजाल किसी ने सड़क के गड्ढे भी भरें हो, मीडिया भी कई बार सड़कों की हालत पर लिख चुका पर मजाल हैं, की किसी जवाबदार विभाग को जू भी रेंगी हो !

दिखावटी बम

अभी हाल में कुछ विभाग जिले में,सुर्खिया बटोर रहे हैं, खाद्य विभाग,नकली सामग्री पकड़ रहा हैं ,साल भर आराम करता हैं ,त्योहारों पर दुकानदारों को डरता हैं कार्यवाही के नाम पर, सेम्पल राज्य प्रयोग शाला भेज देता हैं,मिलावटी सामान, भी इन्हें त्योहारों पर ही दिखता हैं, और सबसे बड़ा चर्चा का विषय शराब माफिया, पिछले एस पी से लेकर वर्तमान एस पी तक सिर्फ शराब पकड़ी जा रही, रोज जितनी पकड़ते हैं दूसरी दिन फिर उतनी ही शराब मिलती हैं, आखिर शराब माफिया न पुलिस से डर रहा हैं न आबकारी विभाग से डर रहा हैं, इतने दिनों में तो इन माफियों में डर बैठ जाना था, एक और विभाग का भी जिक्र जरूरी हैं वह हैं खनिज विभाग, वाह जी क्या कार्यवाही कर रहा और करता जा रहा हैं, रोज पकड़ते हैं रोज छोड़ते हैं, रोज पकड़ते हैं,रोज छोड़ते हैं, ड्यूटी की ड्यूटी, और खेल का खेल, कठोर कार्यवाही क्यों नहीं हो पाती, माननीय न्यायालय में प्रकरण पहुंचता हैं, और केस की कमजोर कड़ी सामने आ जाती हैं और रेत माफिया छूट जाते हैं, तीसरा विभाग हैं नापतोल विभाग इनके मुखिया अधिकारी हमेशा फील्ड पर रहते हैं पर काम क्या करते ये गोपनीय रहता हैं, इस विभाग की पॉलिसी हैं कार्य गोपनीयता से करते हैं, मिलने जाओ तो मिलते नहीं, फोन लगाओ उठते नहीं, इनके सारे नियम, सूचना के अधिकार के तहत मांगने पड़ते हैं, बाकी नगर पालिका पर कुछ कहना उचित नहीं होगा इनसे तो राज्य स्तर पर ही बात की जा सकती, क्योंकि इनके मामले लोकयुक्त, और ई डी इससे नीचे बात नहीं करते, और ना किसी से डरते हैं;धमकी और देते हैं जो बने सो करले । कुलमिलाकर दिवाली का त्यौहार हैं , सभी को खुशिया दे, और जनता भी परिस्थिति का आनंद ले, एक बात जरूर लोगो को शिवराज मामा की याद आ गई उनके दौरे से कम से सड़के ठीक हो जाती थी, जिले के अधिकारी थोड़े चटक तो रहते थे, लोग याद कर बम तो फोड़ ही ले रहे हैं, विपक्ष भी सुस्त बैठा हैं, मुद्दों का इंतजार कर रहा हैं, इटारसी बस का मामला था उसकी भी हवा निकल ही गई हैं द्य यह महज एक चर्चा हैं जो लोग चौक चौराहों पर बैठ कर फटाखे फोड़ रहे हैं।

50 हजार रूपए की स्मैक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम/ पिपरिया, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में मंगलवारा पिपरिया थाना टी आई आदित्य सेन, स्टेशन रोड थाना प्रभारी महेंद्र सिंह बघेल और उनकी टीम ने एन डीपीएस एक्ट के तहत दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 13.54 ग्राम अवैध स्मैक जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि थाना पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस के द्वारा शास्त्री वार्ड के एक खंडहर मकान के पास घेराबंदी कर संदिग्ध आरिफ पिता हबीब खान निवासी- शास्त्री वार्ड, पिपरिया को पकड़ा । आरोपी की तलाशी लेने पर पास से एक पॉलीथीन में भूरे रंग का पाउडर जो तस्दीक करने पर अवैध मादक पदार्थ (स्मैक) कुल वजन 06 ग्राम होना पाया गया। जिस पर उसके विरुद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्रमांक 502/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पूछताछ में आरोपी के द्वारा एक अन्य सहयोगी के बारे में बताया जो कि थाना स्टेशन रोड पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन पोल गोदाम के पास सुनसान इलाके में अवैध मादक पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा था। जिस पर से थाना स्टेशन रोड पिपरिया पुलिस द्वारा बताए स्थान पर दबिश देकर संदिग्ध शाहरुख उर्फ बुटना खान पिता नईम खान निवासी गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर को पकड़ा गया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक पॉलीथीन में भूरे रंग का पाउडर जो कि तस्दीक करने पर अवैध मादक पदार्थ (स्मेक) कुल वजन 7.54 ग्राम होना पाया गया। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध थाना स्टेशन रोड पिपरिया में अपराध क्रमांक 446/2026, धारा 8/21 एनडी पीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस प्रकार दोनों आरोपियों से कुल 13.54 ग्राम अवैध मादक पदार्थ कुल कीमत 50,000 रु. जप्त करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे अवैध मादक पदार्थ (स्मैक) के स्त्रोतों एवं इसके क्रय-विक्रय में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के बारे में सघन पूछताछ की जा रही है।

पिपरिया में दो थानों की पुलिस ने दो आरोपियों से कुल 13.54 ग्राम स्मैक जब्त की





ट्रेन से गांजा लेकर बेचने आए युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया

नर्मदापुरम, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के कुशल नेतृत्व में कोतवाली टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने 10.930 कि.ग्रा गांजा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन नर्मदापुरम के बीटीआई की ओर के आउटर के पास रेलवे पटरी के किनारे संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास रखी पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी से 10.930 कि.ग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ।जिसे मौके पर विधिवत जप्त किया गया।संदेही ने अपना नाम राजू पिता मांगे राम उम्र 43 वर्ष निवासी राम बाग रोड, भैरो की सेर,कालका,जिला पंचकुला (हरियाणा) बताया। आरोपी राजू के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 1054/2026 धारा 8/20 एन.डी.पी. एस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । गांजा कहाँ से लाया गया एवं किसे बेचा जाना था, इस संबंध में अग्रिम विवेचना जारी है।जप्त मशरूका 10.930 कि.ग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा, कीमती 2,73,250/- रुपये बताई गई हैं।



पथरौटा पुलिस ने युवक से जब्त किया 750 ग्राम अवैध गांजा



नर्मदापुरम, यशभारत । जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में पथरौटा थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा ओर उनकी टीम के द्वारा 750 ग्राम अवैध गांजा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस इटारसी के आयुध निर्माणी के पास चादौन रोड पर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से एक सफेद रंग के प्लास्टिक के झोले में रखी सफेद रंग की प्लास्टिक की पन्नी में अवैध मादक पदार्थ गांजा 750 ग्राम कुल कीमती 15000 रुपये जब्त किया ।आरोपी से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रामकुमार उर्फ बिचले पिता मेघश्याम जाति कुर्मी उम्र 48 साल निवासी ग्राम चादौन थाना पथरौटा होना बताया।आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। प्रकरण में आरोपी से माल लाने के संबंध पूछताछ कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी पथरौटा निरीक्षक सुरेखा निमोदा, सउनि कल्लू धुर्वे, प्रआर. दीपक जनोरिया, प्रआर दिनेश उइके, आर. धीरज राठौर, आर. धर्मेन्द्र कुचबंदिया, आर चालक जय प्रकाश पाठे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षक की हरकत से शर्मसार हुआ शिक्षा जगत

इटारसी(यश भारत)

रानीपुर प्राथमिक शाला में एक शिक्षक द्वारा मासूम छात्राओं के साथ की गई अशोभनीय हरकत का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिक्षक ने मोबाइल पर छात्राओं को आपत्तिजनक वीडियो दिखाया और उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा ओर उक्त शिक्षक की जमकर पिटाई कर दी। घटना कि जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों द्वारा उक्त शिक्षक को हिरासत में ले लिया।

शिक्षक की हरकत -आदिवासी विकासखण्ड केसला अंतर्गत आने वाले रानीपुर प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक पिछले कई दिनों से स्कूल की छात्राओं के साथ अभद्रता कर रहा था। शिक्षक की इस हरकत पर परिजनो द्वारा उसे पूर्व में समझाइश दी गई थी लेकिन उसमें कोई सुधार नहीं आया। गुरुवार को उक्त शिक्षक रोज की तरह स्कूल



पहुंचा और छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने के साथ ही गलत व्यवहार करना शुरू कर दिया। घटना के बाद छात्राओं ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद बड़ी संख्या में परिजन स्कूल पहुंच गए और शिक्षक के खिलाफ जमकर हंगामा किया। गुस्साए परिजनों ने शिक्षक की पिटाई भी कर दी। स्कूल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस ने की कार्यवाही -सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में ले लिया है। बताया जाता हे शिक्षक स्कूल से भाग गया था जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। छात्राओं के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आरोपी शिक्षक से भी पूछताछ की जा रही है। शिक्षा विभाग को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। शासकीय प्राथमिक शाला तवानगर रानीपुर, विकासखंड केसला में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक अजय मेहरा को गंभीर आरोपों के चलते सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग नर्मदापुरम द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

विद्यार्थियों का आधार बायोमेट्रिक

अपडेट कराना जरूरी

नर्मदापुरम(यश भारत) बच्चों की आधार पहचान को सुरक्षित और अद्यतन बनाए रखने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा निर्धारित आयु में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU) कराना जरूरी है। इसके तहत बच्चों का पहला बायोमेट्रिक अपडेट 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर तथा दूसरा अपडेट 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर कराया जाना अनिवार्य है। जन्म से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का आधार बनाते समय फोटो एवं जनसांख्यिकीय विवरण दर्ज किए जाते हैं। इस आयु में बच्चों के फिंगरप्रिंट और आंखों की आइरिस का बायोमेट्रिक विवरण दर्ज नहीं किया जाता है। 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर प्रथम अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU-1) के दौरान बच्चे का नया फोटो, 10 उंगलियों के फिंगरप्रिंट और दोनों आंखों की आइरिस दर्ज की जाती है। इसी प्रकार 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर द्वितीय अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU-2) के अंतर्गत फोटो, फिंगरप्रिंट और आइरिस को पुनः अपडेट किया जाता है। बायोमेट्रिक अपडेट के दौरान बच्चों का आधार नंबर वही रहता है। अपडेट के बाद नया आधार नंबर जारी नहीं किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल आधार कार्ड में फोटो बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बच्चे के फिंगरप्रिंट और दोनों आंखों की आइरिस का पहली बार पंजीकरण अथवा पुनः पंजीकरण भी किया जाता है।

पदोन्नति प्राप्त वनकर्मियों का पदोन्नति अलंकरण समारोह में किया गया सम्मान





नर्मदापुरम, यशभारत। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में वन विभाग के मैदानी अमले के उत्साहवर्धन एवं उनके सेवाभाव को सम्मानित करने के उद्देश्य से आज पदोन्नति अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हाल ही में वनरक्षक से वनपाल तथा वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले 24 वनकर्मियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एवं उप संचालक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व द्वारा पदोन्नत हुए सभी कर्मचारियों की यूनिफार्म में स्टार लगाकर उनके उत्कृष्ट सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

पुलिस ने अवैध पटाखो के भंडारण पर कार्यवाही कर 30 हजार के पटाखे जब्त किये

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में इटारसी टी आई सौरभ पांडे और उनकी टीम ने 30 हजार रूपए के अवैध फटाखे जब्त कर कार्यवाही की। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम मौथियां साकेत में नितिन चौधरी पिता रवीशंकर चौधरी के घर से भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त किए। पुलिस द्वारा नितीन चौधरी से उक्त पटाखे के वैध दस्तावेज के संबंध में पुछताछ की गई जो कोई दस्तावेज मौके पर पेश नही कर पाया । जिसके आधार पर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी के घर से 06 कार्टुन अवैध पटाखे कीमती 30000 रूपये के जप्त कर अपराध क्रं. 1087/2026 धारा 288 बीएनएस का पंजीवद्ध किया गया है।

सड़क सुरक्षा के लिए ट्रॉलियों पर लगाए गए रेडियम

कृषि उपज मंडी परिसर शिवपुर में 100 किसानों को दिया गया सीपीआर प्रशिक्षण

नर्मदापुरम / सिवनीमालवा, यशभारत।

कृषि उपज मंडी परिसर शिवपुर में आयोजित जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए लगभग 100 किसानों को डॉ. सुरेन्द्र कौशल आयुष चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुर द्वारा सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान डॉ.सुरेन्द्र कौशल ने किसानों को हृदय गति एवं सांस रुकने जैसी आपात कालीन परिस्थितियों में सीपीआर देने की विधि समझाई तथा बताया कि समय पर सही तरीके से सीपीआर देने से किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।उन्होंने किसानों को व्यावहारिक रूप से सीपीआर की प्रक्रिया भी समझाई।कार्यक्रम में थाना प्रभारी के.एन. रजक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों की



ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर चस्पा करवाए, जिससे रात के समय दूर से ही ट्रॉलियां दिखाई दे सकें और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई

नर्मदापुरम, यशभारत।

ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर उपस्थित पर्यटकों एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनावश्यक विद्युत उपकरणों एवं लाइटों को बंद रखने, बिजली की खपत कम करने तथा ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सामूहिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत दायित्व भी है। दैनिक जीवन में छोटे-छोटे व्यवहारगत परिवर्तन अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा की बचत तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व द्वारा इस पहल के माध्यम से पर्यटकों एवं आमजन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश प्रसारित किया गया।



शासन का दावा, जल्द मिलेगी जनता की सौगात, कैसी होगी नए भवन में व्यवस्थाएं

शीघ्र बनकर तैयार होगा नया जिला अस्पताल भवन

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने नर्मदापुरम जिला मुख्यालय स्थित निर्माणाधीन जिला अस्पताल परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, विभिन्न कक्षों में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने तथा अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैसे होंगे प्रवेश द्वार

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक में एम्बुलेंस के सुगम प्रवेश एवं निकास की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईसीजी कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य कराने को कहा। साथ ही, जिन कक्षों में अभी तक केंद्रीकृत वातानुकूलन व्यवस्था क्रियाशील नहीं हुई है, वहां सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए।



अग्नि सुरक्षा पर विशेष ध्यान - कलेक्टर ने अस्पताल की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्मोक डिटेक्टर के माध्यम से फायर टेस्टिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीयन कक्ष में खिड़की की व्यवस्था करने तथा एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। सीटी स्कैन मशीन के लिए अलग से निर्धारित विद्युत स्विच उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

रखरखाव पर जोर

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने लिफ्ट का वारंटी अवधि के दौरान नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने, एचडीयू वार्ड की खिड़कियों में रबर की उचित फिटिंग कराने तथा रैम्प पर फिक्स्ड ग्लास के स्थान पर स्लाइडिंग विंडो लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) के लिए स्पष्ट चिन्ह अस्पताल परिहार में स्थापित करने के निर्देश दिए।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला, पी.जी.इंफ्रास्टचर एंड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी देवास रोड,इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 22/1,पगनिसपागा पालसिकर कॉलोनी बालनिकेतन स्कूल के पास , इंदौर (म.प्र) 452007 से प्रकाशित | संपादक अम्बरीष तिवारी * प्रबंध संपादक अमरीश पचोरिया*,
सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No .MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indoreyashbharat@gmail.com , (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समचार चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)